डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26

ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 112 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शुक्रवार 02 फरवरी 2024 | मूल्य 2 रुपया

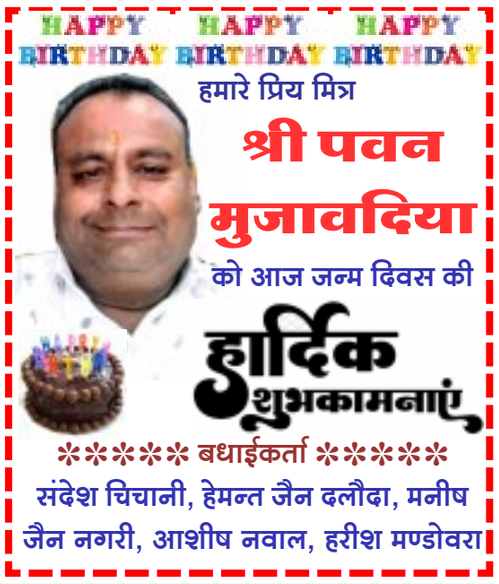

सिस्टम की लाचारी, ट्रैक्टर-ट्रॉली की सवारी

ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से किया जा रहा मौत का सफर

मंदसौर, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिले में पिछले सालो में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने के कई हादसे हो चुके हैं। इन हादसों में कई लोगों की मौत हो चुकी है। लेकिन न तो लोग सबक ले रहे और न ही परिवहन और यातायात विभाग के जिम्मेदार अधिकारी कोई ठोस कार्रवाई कर रहे हैं। स्थिति यह है कि गांवों से लेकर शहरों तक में ट्रैक्टर-ट्रॉली का उपयोग सवारी वाहन के रूप में हो रहा है। बारात, मायरा और गांवों में इधर से उधर जाने में ट्रैक्टर-ट्रॉली व अन्य लोडिंग वाहनों का उपयोग हो रहा है। कुछ वर्षो में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने के एक दर्जन से अधिक हादसे हो चुके हैं। इनमें कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। लेकिन, लाचार सिस्टम को न तो लोगों की जान की परवाह है और न ही नियमों का पालन करवाने की याद है। आज भी जिले में लोग ट्रैक्टर-ट्रॉलियों में बैठकर यहां से वहां जा रहे हैं। जबकि, इस वाहन में सफर हर समय जोखिम भरा ही होता है।

बता दे की यातायात और परिवहन के नियमों का सबसे ज्यादा उल्लंघन ट्रैक्टर-ट्रॉली संचालन में होता है। जिला परिवहन विभाग के अनुसार वर्ष 2005 से अब तक जिले में साठ से ज्यादा ट्रैक्टर-ट्रॉली पंजीकृत हुए हैं। इसके बावजूद जिले में अपंजीकृत ट्रैक्टर-ट्रॉली भी चल रहे हैं। लेकिन, परिवहन विभाग और यातायात पुलिस इन्हें सख्ती से रोक नहीं पा रहे हैं। अधिकांश ट्रॉलियों में नंबर नहीं होता। उन पर रिफ्लेक्टर नहीं होने से रात में कई बार हादसे होते हैं। कृषि कार्य के साथ ही ट्रैक्टर-ट्रॉली का उपयोग परिवहन के रूप में खुलेआम होने के चलते हादसों में कई लोग जान भी गंवा चुके हैं। मंडियों में उपज पहुंचाने, कृषि कार्य के अलावा मजदूरों को लाने ले जाने और ग्रामीण क्षेत्रों में बरात व मामेरा और अन्य कार्यक्रमों में आने-जाने में लोग ट्रैक्टर-ट्रॉली का ही उपयोग करते हैं। हादसे नहीं थमने का बडा कारण यह है कि ट्रैक्टर-ट्रॉली के परिवहन के लिए उपयोग को लेकर परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस ने एक वर्ष के भीतर कोई बड़ी कार्रवाई नहीं की है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली के हुए हादसे...

✻ 24 अप्रैल 2019 को ग्राम खडावदा के पास गेहूं भरकर जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से गेहूं की बोरियों पर बैठे तीन महिलाओं सहित आठ मजदूर घायल हो गए। ✻12 सितंबर 2018 को कचनारा गांव में रामदेव जन्मोत्सव पर आयोजित मेले से लौट रहा श्रद्धालुओं से भरा पिकअप लोडिंग वाहन पलट गया। हादसे में 3 की मौत हो गई, जबकि 20 से ज्यादा घायल हो गए। ✻ 8 जुलाई 2018 को फतेहगढ़ के पास पिकअप वाहन पलटने से तीन लोगों की मौत हो गई थी और आधा दर्जन से ज्यादा घायल हो गए। ये सभी पिकअप वाहन पर सवार होकर नीमच से छत्तीसगढ़ के राजनादगांव बारात लेकर जा रहे थे। ✻ 3 मार्च 2016 को शामगढ़ क्षेत्र के ग्राम भतूनिया में फर्श से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। ✻ 28 नवंबर 2020 को मल्हारगढ़ के समीप महू-नीमच राजमार्ग से गुजर रही ट्रैक्टर-ट्राली के अनियंत्रित होने से ट्रॉली में सवार एक किशोरी सहित दो व्यक्ति सड़क पर गिर गए। हादसे में किशोरी की मौत हो गई। ✻ एक साल पहले जनवरी में मंदसौर के गरोठ थाना क्षेत्र में शिव महापुराण कथा सुनने जा रहे श्रद्धालुओं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। इस हादसे में 2 महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं करीब 4 से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए।

गांधी सागर में पलटी विद्यार्थियों से भरी ट्रैक्टर ट्राली

सरकारी स्कूल के विद्यार्थी मनासा से आए थे पिकनिक मनाने, 61 विद्यार्थी थे ट्राली में सवार, 42 घायल, चार को किया रेफर

भानपुरा, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। गांधी सागर क्षेत्र में सरकारी स्कूल के 9वीं और 10वीं के विद्यार्थियों से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली पलट गई। इस दुर्घटना में 42 विद्यार्थी घायल हो गए। जिन्हें भानपुरा अस्पताल लाया गया। जहां से चार को गंभीर स्थिति में झालावाड अस्पताल रेफर किया गया। नीमच जिले के मनासा से ग्राम चौकडी के नौवीं और दसवीं के छात्रों को विद्यालय प्रबंधन पिकनिक मनाने के लिए गांधी सागर लाया था। ट्रैक्टर ट्रॉली में कुल 61 विद्यार्थी सवार थे।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम चौकडी तहसील मनासा जिला नीमच के शासकीय हाई स्कूल के कक्षा 9वीं व 10वीं के 61 छात्र-छात्राओं को विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य प्रकाश धाकड़, शिक्षक गोपाल मालवीय, विनोद धाकड, प्रकाश बडेरा एवं शिक्षिका सुनीता मालवीय विद्यालय की फेयरवेल पिकनिक पार्टी मनाने के लिए ट्रैक्टर ट्राली से गांधीसागर डेम क्षेत्र में लाए थे। गांधीसागर डैम के रामपुरा साइट पश्चिम क्षेत्र के बैरियर मंदिर के समीप भोजन बन रहा था। इस दौरान सभी 61 छात्र-छात्राएं ट्रैक्टर ट्राली में सवार होकर एवं शिक्षक गण बाइक पर सवार होकर डेम क्षेत्र की तरफ घाट सेक्सन से उतर रहे थे। दोपहर करीब 2:30 बजे घाट सेक्सन के तीसरे घुमावदार मोड पर ट्रैक्टर ट्राली अनियंत्रित हो जाने से विद्यार्थियों से भरी ट्राली पलट गई। ट्राली में सवार विद्यार्थी घटना में घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। सूचना पर गांधीसागर पुलिस मौके पर पहुंची एवं एक निजी विद्यालय की बस से घायल छात्र-छात्राओं को गांधीसागर नंबर 3 डिस्पेंसरी एवं भानपुरा के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया।

चार विद्यार्थियों को किया झालावाड़ रेफर...

भानपुरा सरकारी अस्पताल में करीब 42 छात्र छात्रों को लाया गया। जिनका सभी घायल विद्यार्थियों का उपचार शुरू किया। उपचार के दौरान निकिता 15 वर्ष, हिमांशु 15 वर्ष, वर्षा 14 वर्ष, अरविंद 15 वर्ष का प्राथमिक उपचार के बाद झालावाड़ रेफर किया गया। बाकी विद्यार्थियों का उपचार शाम तक भानपुरा के सरकारी अस्पताल में हुआ। उपचार के बाद प्रशासन ने व्यवस्था कर सभी विद्यार्थियों को बस से भिजवाया। ट्रैक्टर ट्राली में सवार अधिकांश विद्यार्थियों को चोटे आई। गनीमत रही की कोई गंभीर निर्मित नहीं हुई घटना के बाद गांधीसागर डिस्पेंसरी में उपचार के दौरान दो शिक्षक एवं भानपुरा अस्पताल में विद्यार्थियों के उपचार के दौरान एक शिक्षिका एवं दो शिक्षक उपस्थित थे। जिनमें से दो शिक्षक रेफर किए गए विद्यार्थियों के साथ झालावाड के लिए निकल गए।

प्राचार्य ने यह कहा...

भानपुरा सरकारी अस्पताल में उपस्थित शिक्षिका सुनीता मालवीय जो विद्यालय में लैब असिस्टेंट के पद पर हैं। घटना के संबंध में जानकारी लेने पर एवं नियम विरुद्ध ट्रैक्टर ट्राली में विद्यार्थियों को लाने की बात करने पर उन्होंने अपने आप को घबराहट होने की बात कह कर टाल दिया। घटना के संबंध में विद्यालय के प्राचार्य दिनेश कारपेंटर से प्रतिनिधि द्वारा मोबाइल पर बात की जाने पर इन्होंने बताया कि मैं बोर्ड के पेपर लेने के लिए नीमच में हूं। इसके चलते प्रभारी प्राचार्य का दायित्व शिक्षक प्रकाश धाकड के पास है। पिकनिक पार्टी को लेकर मुझे किसी भी प्रकार की कोई जानकारी नहीं है। घटना के बाद मुझे मालूम हुआ। उन्होंने कहा कि ट्रैक्टर ट्राली में विद्यार्थियों को ले जाना नियम विरुद्ध होने के साथ ही बडी लापरवाही है।

जानकारी मिलने पर यह पहुंचे मौके पर...

घटना की जानकारी मिलने पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व गरोठ रविंद्र परमार, एडिशनल एसपी हेमलता कुरील, एसडीओ पुलिस राजाराम धाकड, नायब तहसीलदार भीमसिंह खराडी, भानपुरा थाना का पुलिस स्टाफ भानपुरा सरकारी अस्पताल पहुंचे। उपस्थित अधिकारियों ने छात्र-छात्राओं के उपचार की संपूर्ण जानकारी लेने के साथ अन्य व्यवस्थाओं के लिए कर्मचारियों को निर्देशित किया। इस दौरान भानपुरा सरकारी अस्पताल में परिसर में भारी भीड़ जमा हो गई। इस दौरान विधायक चन्दरसिंह सिसोदिया, पूर्व विधायक देवीलाल धाकड, जिला पंचायत सदस्य रामेश्वर रावत, अनिल राठौर, मनोज मन्नू वाधवा, अभिषेक मांदलिया, अशोक गोखरू, संतोष पाटीदार, महेंद्र वाधवा, रामसिंह चौहान, शीतल भूटानी, दिनेश वाधवा सहित नगर के कई समाजसेवियों ने घायल विद्यार्थियों के हाल-चाल जाने। नगर के समाजसेवियों ने घायल विद्यार्थियों के लिए चाय, बिस्किट, फल आदि जिसे जो भी बना व्यवस्थाएं की।

इनका कहना...

दुर्घटना में घायल 40 विद्यार्थियों को भानपुरा के सरकारी अस्पताल लाया गया था। जिसमें से चार विद्यार्थियों को रेफर किया गया है। सभी की स्थिति ठीक है। भानपुरा एवं गांधीसागर में विद्यार्थियों को उपचार के बाद बस के माध्यम से उनके गंतव्य तक भेजा गया है। विद्यार्थियों को ट्रैक्टर ट्राली में पिकनिक के लिए लाना गंभीर लापरवाही है। घटना को लेकर मानसा प्रशासन से लगातार संपर्क में है। पूरी स्थिति से मनासा प्रशासन को अवगत कराया गया है।

रवींद्र परमार
अनुविभागीय अधिकारी, गरोठ

एमपी बोर्ड : परीक्षा केन्द्रों पर रवाना की गई परीक्षा सामग्री

मंदसौर, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। आगामी 5 फरवरी से 5 मार्च तक एमपी बोर्ड की 10वी और 12वी की परीक्षाएं आयोजित होगी। इसके लिए शिक्षा विभाग ने तैयारियां की है। गुरुवार को जिले के सभी केंद्राध्यक्षों को परीक्षा सामग्री का वितरण किया गया। जिला मुख्यालय से सुरक्षा के साथ परीक्षा की गोपनीय सामग्री का वितरण कर उसे नजदीकी थाने में जमा किया गया। जिला शिक्षा विभाग के लोकेन्द्र डाबी ने बताया की 5 और 6 फरवरी से एमपी बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं शुरू हो रही हैं। जिले में 70 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इन परीक्षा केन्द्रों के लिए गुरुवार को जिला मुख्यालय से बोर्ड परीक्षा से संबंधित गोपनीय सामग्री केंद्राध्यक्षों को वितरित की गई है। पुलिस की सुरक्षा में यह परीक्षा सामग्री परीक्षा केन्द्रों के पास वाले थानों में जमा की जाएगी।

समर्थन मूल्य पर अनाज की खरीदी का मामला...

एसएमएस प्राप्ति की अनिवार्यता समाप्त, पांच फरवरी से 77 केंद्रों पर होगी खरीदी

मंदसौर, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। ग्राम पंचायत, जनपद पंचायत, तहसील कार्यालयों में स्थापित सुविधा केंद्र के साथ ही एमपी किसान एप, सहकारी समितियों व सहकारी विपणन संस्थाओं द्वारा संचालित पंजीयन केंद्रों पर किसान अपना पंजीयन निःशुल्क करा सकते हैं। वहीं सशुल्क पंजीयन की व्यवस्था एमपी ऑनलाइन कियोस्क, कॉमन सर्विस सेंटर कियोस्क, लोकसेवा केंद्र और निजी व्यक्तियों द्वारा संचालित साइबर कैफे पर पंजीयन किए जाएंगे। पूर्व प्रक्रिया में किसान को फसल बेचने के लिए एसएमएस प्राप्त होता था। नवीन व्यवस्था में फसल बेचने के लिए किसान, निर्धारित पोर्टल से नजदीक के उपार्जन केंद्र, तिथि और समय लेने के लिए फसल अनुसार स्लॉट का चयन स्वयं कर सकेंगे। सुधार तहसील कार्यालय में होगा।

खेतों में लहलहा रहे गेहूं...

अंचल में गेहूं की फसलें लहलहा रही है। जल्दी बुवाई वाले गेहूं कटाई के लिए तैयार हो गए है। इस बार समर्थन मूल्य पर गेहूं का विक्रय करने वाले किसानों को पंजीयन के लिए 5 फरवरी से 1 मार्च तक का समय दिया गया है। इस अवधि में किसान अपनी फसल का पंजीयन करा सकेंगे। इस बार पंजीयन की व्यवस्था को सुगम बनाया गया है, जिससे किसान अपने मोबाइल से घर बैठे पंजीयन कर सकेंगे। किसानों को पंजीयन केंद्रों पर लाइन नहीं लगाना पड़ेगी। वहीं खाद्य विभाग ने केंद्र पर जाकर पंजीयन की व्यवस्था भी की है। अधिकारियों के मुताबिक 77 पंजीयन केंद्र बनाए गए हैं। सशुल्क पंजीयन के लिए किसान को 50 रुपए देने होंगे। इस बार किसानों को गेहूं के 2275 रुपए प्रति क्विंटल मिलेंगे। पिछले वर्ष न्यूनतम समर्थन मूल्य 2125 रुपए था। पंजीयन के लिए किसान के पास जमीन की ऋण पुस्तिका, आधार कार्ड, बैंक अकाउंट की पासबुक, बैंक अकाउंट से आधार कार्ड लिंक होना चाहिए। आधार कार्ड लिंक नहीं है तो भुगतान अटक सकता है। पंजीयन के लिए भू-अभिलेख में दर्ज खाते, खसरा, आधार कार्ड का मिलान होना जरूरी है। गडबडी होने पर सुधार तहसील कार्यालय में होगा।

इस महीने 20 दिन गूंजेगी शहनाई

विवाह के साथ गृह प्रवेश से लेकर नामकरण के भी मुहूर्त

मंदसौर, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। खरमास समाप्त होने के बाद विवाह, गृह प्रवेश, नामकरण सहित अन्य शुभ कार्य आरम्भ हो गए हैं। इस साल सबसे अधिक शहनाइयां इसी माह अर्थात फरवरी में गूंजेंगी। फरवरी महीने में सबसे ज्यादा 20 दिन विवाह मुहूर्त हैं। जबकि, साल में सबसे कम अप्रेल में पांच दिन ही विवाह मुहूर्त हैं। जबकि, दिसंबर में 10, मार्च में 9, जुलाई में 8, अक्टूबर में 6 नवंबर में 9 दिन विवाह मुहूर्त रहेंगे। फरवरी माह में कई शुभ मुहूर्त होने के चलते उपनयन, मुंडन, गृह प्रवेश, नामकरण आदि शुभ कार्य भी होंगे।

निधि के बटवारे को लेकर हंगामा...

मंदसौर, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। गुरुवार को जिला भाजपा कार्यालय में निधि के बटवारे को लेकर हंगामा हो गया। एक जनपद सदस्य और एक मंडल अध्यक्ष ने खुलकर निधि के वितरण को लेकर गंभीर आरोप लगाए।

प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो मंडल अध्यक्ष और जनपद सदस्य ने साफ कहा की निधि समाप्त होने वाली है। पर, बीजेपी के लोगो को नही दी जा रही है, जबकि 15 प्रतिशत लेकर कांग्रेसियों को दी जा रही है। इसमें भी 5 प्रतिशत ग्राहक लेकर आने वाले को और शेष 10 प्रतिशत देने वाले को चाहिए है। ऐसे में बीजेपी के स्थानीय जन प्रतिनिधियों के वार्डो में विकास कार्यों के लिए राशि की जरूरत है। जबकि, कांग्रेसियों के वार्डो में विकास के लिए कमीशन लेकर राशि दी जा रही है। गुरुवार दोपहर से ही इस बात को लेकर राजनीतिक क्षेत्र में हर आम और खास के बीच इस बात को लेकर चर्चा हो रही है...?

आज से सायबर तहसील व्यवस्था

कृषि भूमि की रजिस्ट्री के 15 दिन में हो जायेगा नामांतरण

मंदसौर, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। आज से एमपी में सायबर तहसील व्यवस्था लांच हो जाएगी। इस व्यवस्था की खास बात यह है कि कृषि भूमि की रजिस्ट्री होने के 15 दिन बाद यह आपके नाम हो जाएगी, अर्थात नामांतरण हो जायेगा। राजस्व विभाग ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है।

एमपी की मोहन सरकार ने सभी जिलों में सायबर तहसील खोलने का फैसला लिया था। शुरुआत में यह 12 जिलों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू की गई थी। इन तहसीलों के खुलने से अब राजस्व विभाग के कई कठिन काम आसान हो जाएंगे। विशेषकर टर्मिनस सीमांकन और नामांकन भी बेहद आसानी से होगा। जो व्यक्ति कृषि भूमि खरीदकर रजिस्ट्री करवाएगा, उसके बाद 15 दिनों में नामांतरण भी अपने-आप हो जाएगा। इसके लिए अलग से चक्कर काटने की जरूरत नहीं पड़ेगी। शुक्रवार 2 फरवरी को उज्जैन में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह इस योजना को पूरे प्रदेश में लांच कर देंगे। सायबर तहसील ... शेष पेज 4 पर

सीबीएन ने ट्रक से पकड़ा 27 क्विंटल डोडाचूरा

मंदसौर, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम और धरपकड अभियान के तहत केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो 'सीबीएन' की जावरा टीम ने गुरुवार को कार्यवाही करते हुए पिपलिया मंडी-मनासा रोड पर एक ट्रक से 2 हजार 787 किलो डोडाचूरा, जिसमे 1656 किलो सीपीएस का डोडाचूरा भी शामिल हैं। जप्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मुखबीर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए सीबीएन जावरा के अधिकारियों ने टीम गठित कर पिपलिया मंडी-मनासा मार्ग पर टीलाखेडा बालाजी मंदिर के यहां नाकाबंदी की। मुखबीर द्वारा बताए ट्रक को रुकवाया। ट्रक आलू की बोरियों से भरा हुआ था।लगातार पूछताछ के बाद ट्रक ड्राइवर ने बताया कि ट्रक में कवर कार्गो के नीचे डोडाचूरा भरा हुआ है। ट्रक को सुरक्षा कारणों की वजह से सीबीएन कार्यालय लाया गया। जहां ट्रक की बारीकी से जांच की गई तो 138 बैग अवैध डोडाचूरा मिला। जिसका वजन करने पर कुल 2787.600 किलोग्राम निकला। इस अवैध डोडाचूरा में 1656.400 किलोग्राम सीपीएस डोडाचूरा भी शामिल हैं। सीबीएन ने कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद डोडाचूरा और ट्रक को जप्त कर एक आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट किबधारा 8/15 के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया हैं।

महिला का पर्स काटकर 10 हजार रुपए चुराए

आरोप : चार महिलाओं ने मिलकर दिया घटना को अंजाम, कोतवाली पहुंचकर बुजुर्ग महिला एवं बेटे ने दर्ज कराई शिकायत

मंदसौर, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के नई आबादी पोस्ट ऑफिस में एक बुजुर्ग महिला पेंशन के रुपए निकालने के लिए आई थी। जब महिला पेंशन के रुपए निकाल कर घर जा रही थी, इसी दौरान एक ठेले पर महिला खरीदी करने के लिए रुक गई। इस दौरान चार महिलाएं आसपास खड़ी हो गई। मौका देखकर बुजुर्ग महिला का पर्स काटकर 10 हजार रुपए निकाल कर वहां से रफू चक्कर हो गई। बुजुर्ग महिला को जैसे ही इस घटना का पता लगा तो महिला का रो- रो कर बुरा हाल हो गया। वह घर जाकर बेटे के साथ कोतवाली थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई।

बुजुर्ग महिला ने बताया कि चार महिलाएं थी, जिन बदमाश महिलाओ ने इस घटना को अंजाम दिया है। सीसीटीवी कैमरे में भी महिलाएं नजर आ रही है। वारदात करने वाली महिलाओं को पकड़ने के लिए मंदसौर पुलिस भी लगातार अलग-अलग जगह ढूंढने का कार्य कर रही है। मंदसौर शहर में लगातार बुजुर्ग व्यक्तियों को ही इस तरह का निशाना बनाया जा रहा है और उनके साथ इस तरह की घटना को अंजाम दिया जा रहा है। मंदसौर शहर में लगातार दिन दहाडे इस तरह की घटना हो रही है। पोस्ट ऑफिस के सीसीटीवी में रेकी करने वाली महिला दिख रही है। जिसे पुलिस तलाश रही है।

अब परीक्षा पेपर लीक के आरोपियों को होगी 10 साल की जैल, एक करोड़ रुपए जुर्माना, सरकार लाएगी बिल

नई दिल्ली, 1 फरवरी। केन्द्र सरकार प्रतियोगी परीक्षाओं में कदाचार व अनियमितताओं को दूर करने अगले सप्ताह संसद में एक मजबूत विधेयक पेश करने की तैयारी में है। प्रस्तावित सार्वजनिक परीक्षा अनुचित साधनों की रोकथाम विधेयक 2024 जिसमें अधिकतम 10 साल की जेल की सजा और 1 करोड रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। अंतिम निर्णय होने तक सोमवार को पेश किए जाने की संभावना है।

हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित विधेयक छात्रों को इसके प्रावधानों से छूट देते हुए संगठित गिरोहों, माफियाओ व कदाचार में शामिल व्यक्तियों को लक्षित करना चाहता है। ऐसे तत्वों के साथ मिलीभगत करते पाए जाने वाले सरकारी अधिकारियों को भी परिणाम भुगतने होंगे। सार्वजनिक परीक्षा अनुचित साधनों की रोकथाम विधेयक 2024 लाने की सरकार की मंशा की घोषणा करते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद की संयुक्त बैठक में कहा कि मेरी सरकार परीक्षाओं में अनियमितताओं के संबंध में युवाओं की चिंताओं से अवगत है। यह पहल हाल ही में प्रश्न पत्र लीक जैसे मुद्दों के कारण विभिन्न प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं को रद्द करने की प्रतिक्रिया में है। उल्लेखनीय रद्दीकरण में राजस्थान में शिक्षक भर्ती परीक्षाए हरियाणा में ग्रुप-डी पदों के लिए सामान्य पात्रता परीक्षा सीईटी, गुजरात में जूनियर क्लर्क के लिए भर्ती परीक्षा व बिहार में कांस्टेबल भर्ती परीक्षा शामिल हैं। इसके अतिरिक्त विधेयक सार्वजनिक परीक्षाओं पर एक उच्च स्तरीय राष्ट्रीय तकनीकी समिति की स्थापना का प्रस्ताव करता है। यह समिति कम्प्यूटरीकृत परीक्षा प्रक्रियाओं की सुरक्षा बढ़ाने डिजिटल प्लेटफार्मों को सुरक्षित करने के लिए प्रोटोकॉल विकसित करने, परीक्षा केंद्रों की इलेक्ट्रॉनिक निगरानी सुनिश्चित करने व ऐसी परीक्षाओं में उपयोग किए जाने वाले आईटी व भौतिक बुनियादी ढांचे के लिए राष्ट्रीय मानक तैयार करने के उपायों की सिफारिश करेगी। विधेयक विशेष रूप से संगठित समूहों और कदाचार में शामिल माफिया तत्वों द्वारा सॉल्वर गिरोहों की तैनाती, प्रतिरूपण विधियों व पेपर लीक को संबोधित करता है। इसका मुख्य उद्देश्य ऐसे तत्वों को रोकना व सार्वजनिक परीक्षा प्रणालियों में अधिक पारदर्शिता निष्पक्षता और विश्वसनीयता स्थापित करना है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बजट सत्र की शुरुआत में संसद की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए परीक्षा अनियमितताओं के संबंध में युवाओं की चिंताओं के बारे में सरकार की जागरूकता पर प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि इस तरह की गड़बडियों को दूर करने के लिए एक नया कानून बनाया जा रहा है। जिससे युवाओं को आश्वासन दिया जाएगा कि ईमानदार प्रयासों को उचित पुरस्कार मिलेगा, जिससे उनका सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित होगा।

विचार-मंथन

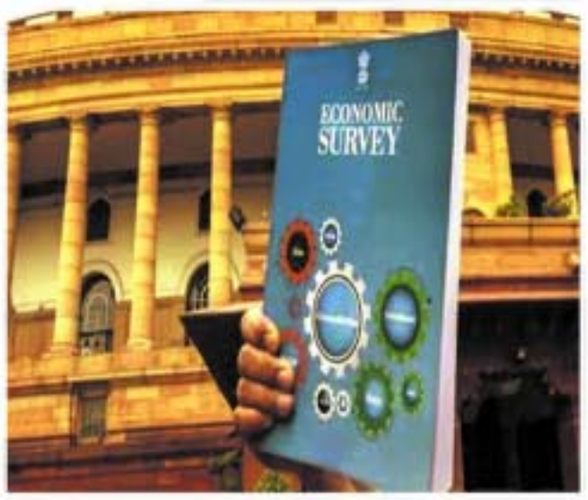

महंगाई-बेरोजगारी पर काबू पाना बड़ी चुनौती

इस बार आर्थिक सर्वेक्षण के बजाय वित्त मंत्रालय ने बजट पूर्व आर्थिक समीक्षा रिपोर्ट पेश की। चुनावी वर्ष होने की वजह से इस बार अंतरिम बजट पेश होगा, इसलिए सरकार ने फैसला किया कि आर्थिक सर्वेक्षण के बजाय समीक्षा रिपोर्ट पेश की जाएगी। आर्थिक सर्वेक्षण चुनाव के बाद पेश होने वाले पूर्ण बजट के समय प्रकाशित किया जाएगा। अभी तक यही परंपरा रही है कि बजट से एक दिन पहले आर्थिक सर्वेक्षण प्रकाशित किया जाता है। उसमें बताया जाता है कि पिछले बजट में सरकार ने जो लक्ष्य तय किए थे, उन्हें कहां तक हासिल किया जा सका है। इस तरह आर्थिक सर्वेक्षण एक तरह से सरकार के पूरे एक वर्ष के प्रदर्शन का मूल्यांकन भी करता है। मगर इस वर्ष वह परंपरा बदल दी गई। समीक्षा रिपोर्ट में कहा गया है कि चालू वित्तवर्ष में भारत की विकास दर सात फीसद रहेगी। अगले तीन वर्षों में पांच लाख करोड़ डालर के सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी के साथ दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अभी 3.7 लाख करोड़ डालर की अनुमानित जीडीपी के साथ दुनिया की पांचवीं अर्थव्यवस्था है। 2030 तक इसके सात लाख करोड़ डालर तक पहुंचने और 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने की उम्मीद जताई गई है। समीक्षा रिपोर्ट में लगभग यही बातें कही गई हैं, जो पिछले काफी अरसे से कही जा रही हैं। पांच लाख करोड़ डालर की अर्थव्यवस्था बनना सरकार का महत्वाकांक्षी लक्ष्य है। अभी जिस तरह दुनिया मंदी के दौर से गुजर रही है, मगर उसके बीच भारतीय अर्थव्यवस्था का रुख ऊपर की तरफ बना हुआ है, उसमें इसके पांच लाख करोड़ डालर के लक्ष्य तक पहुंचना मुश्किल नहीं माना जा रहा। समीक्षा रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले दस वर्षों में कई उल्लेखनीय सुधार हुए हैं, जिसका असर आर्थिक प्रगति पर स्पष्ट देखा जा रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक घरेलू मांग और निवेश बढ़ा है, जिसके चलते पिछले तीन वर्षों से विकास दर सात फीसद से अधिक रही है। हालांकि समीक्षा रिपोर्ट में कही गई बातों से कितने आर्थिक विशेषज्ञ सहमत होंगे, देखने की बात है। एक संतुलित अर्थव्यवस्था में विकास दर की जो गति होनी चाहिए, वह लड़खड़ाती नजर आती है। महंगाई और बेरोजगारी की दर पर काबू पाना अब भी बड़ी चुनौती है। इसलिए घरेलू मांग और निवेश का बढ़ना कुछ असंगत जान पड़ता है। औद्योगिक उत्पादन क्षेत्र में उत्साह नजर नहीं आ रहा। निर्माण और विनिर्माण क्षेत्र भी उतार-चढ़ाव के दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में विकास दर में संतुलन को लेकर सवाल बने रहते हैं। हालांकि दुनिया की सभी रेटिंग एजंसियां मानती हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है और इस वर्ष इसके सात फीसद से ऊपर रहने का अनुमान है। मगर व्यापार घाटे और राजकोषीय घाटे से पार पाना अब भी कठिन बना हुआ है। रोजगार के अपेक्षित नए अवसर सृजित न हो पाने के कारण बड़ी संख्या में लोगों की क्रयशक्ति कमजोर हुई है। बाजार में पूंजी का प्रवाह संतुलित नहीं हो पा रहा, जिसके चलते भारतीय रिजर्व बैंक को रेपो दरों के मामले में कड़ा रुख अपनाए रखना पड़ रहा है। आय में असमानता बढ़ रही है, जो बड़ी चिंता का विषय है। इसलिए गरीबों की संख्या में कमी आने को लेकर भी संदेह जताए जा रहे हैं। ऐसे में अर्थव्यवस्था की गुलाबी तस्वीर निस्संदेह उत्साह पैदा करती है, पर बुनियादी कमजोरियों को दूर किए बिना विकसित राष्ट्र के दावे शायद अधूरे ही रहें।

फिर से बवाल की बलि चढ़ेगा, या लागू होगा सीएए?

उमेश चतुर्वेदी

नागरिकता संशोधन कानून को लेकर एक बार फिर बवाल होता नजर आ रहा है। पश्चिम बंगाल की एक सभा में केंद्रीय राज्यमंत्री शांतनु ठाकुर ने नागरिकता संशोधन कानून को लागू करने का दावा कर दिया है। उनका कहना है कि एक हफ्ते में इसे लागू कर दिया जाएगा। चूंकि कुछ ही महीनों बाद लोकसभा का चुनाव होना है इसलिए राजनीति पर टीका टिप्पणी करने वाले एक समूह को लग रहा है कि केंद्र सरकार ध्रुवीकरण के लक्ष्य को हासिल करने के लिए जानबूझकर इस कानून को लागू करने जा रही है। राजनीतिक समीक्षकों को लगता है कि इस कानून को लेकर पहले से ही सशंकित मुस्लिम समुदाय एक बार फिर सड़कों पर उतरेगा। वह गुस्सा दिखाएगा तो उसके जवाब के तौर पर बहुसंख्यक मानस भी गोलबंद होगा। जिसका फायदा निश्चित तौर पर भारतीय जनता पार्टी की अगुआई वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को मिलेगा। टिप्पणीकारों की सोच किंचित सही हो सकती है, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या इसी आधार पर संसद से पारित किसी कानून को लागू करने से रोका जाना चाहिए? निश्चित तौर पर इस सवाल का जवाब ना में है। वैसे यह कानून साल 2014 से पहले तक अफगानिस्तान, बर्मा, पाकिस्तान, बांग्लादेश से आए हिंदुओं, बौद्धों, सिखों को नागरिकता देने का प्रावधान करता है। नागरिकता संशोधन कानून बुनियादी रूप में 1955 में पास हुआ था। इसके तहत बंटवारे के बाद भारत आए लोगों को नागरिक अधिकार देने का प्रावधान किया गया था। इस कानून में पहली बार संशोधन वाजपेयी सरकार के दौरान साल 2003 में हुआ था। इसके बावजूद पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, बर्मा या म्यांमार से आए हिंदू, सिख, ईसाई, जैन और बौद्ध शरणार्थी किस हाल में है, इसे देखना-समझना हो तो हमें राजस्थान के सीमाई इलाके बीकानेर, जोधपुर या जैसलमेर के शरणार्थी कैंपों और दिल्ली के नजफगढ़ के पास स्थित कैंपों का दौरा करना पड़ेगा। यहां रह रहे लोगों को ना तो शैक्षिक सुविधाएं मिल पाती है, ना उन्हें नियमित रोजगार मिल पाता है और ना ही दूसरी सरकारी सहूलियतें। क्योंकि ये भारत के वैध नागरिक नहीं है, इसलिए इनके पास आज के दौर के लिए जरूरी आधार कार्ड, पैन कार्ड आदि नहीं है, वोटर सूची में नाम आदि नहीं है। जमीन खरीद नहीं सकते। दरअसल यह कानून ऐसे ही लोगों के लिए आया था। लेकिन चार साल पहले 2019 के दिसंबर में जब इस कानून को संसद ने मंजूरी दी थी, तो इसे मुस्लिम विरोधी बताने की शुरूआत हुई। मुस्लिम समुदाय में समाज और राजनीति के कतिपय तत्वों ने जानबूझकर यह संदेश देने की कोशिश की कि यह कानून मुस्लिम विरोधी है। इसके बाद ही इस कानून के खिलाफ देश का तकरीबन समूचा मुस्लिम बहुल इलाका खड़ा हो गया। इसे वामपंथी वैचारिकी से ओतप्रोत राजनीतिक ताकतों ने खुला समर्थन दिया।इसे संयोग कहें या प्रयोग कि यह कानून 11 दिसंबर 2019 को पारित

हुआ और इसके विरोध में धरने और प्रदर्शन इसके ठीक तीन दिनों बाद यानी 14 दिसंबर से शुरू हो गये। देखते ही देखते दिल्ली का शाहीन बाग इसके देशव्यापी विरोध का केंद्र बिंदु बन गया। इसके बाद तो शहर-दर-शहर विरोध प्रदर्शन शुरू हुए। इसी के विरोध प्रदर्शन में अमरीकी राष्ट्रपति के भारत दौरे के समय षड्यंत्रपूर्वक दिल्ली में दंगे कराए गए। दरअसल मुसलमानों को बरगलाने की वजह बना है, इसी कानून में 2003 में हुआ संशोधन, जिसके तहत विशेषकर उत्तरपूर्वी राज्यों जैसे असम आदि में राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर बनाने की बात है। इसके तहत एक खास अवधि के बाद सीमा पार से आए लोगों की पहचान की कोशिश की जानी थी। बड़ी बात यह है कि नागरिकता संशोधन कानून बुनियादी रूप से भारतीय मुसलमानों के खिलाफ नहीं है। लेकिन इसका मकसद लगातार सीमा पार से भारत में घुसपैठ करने वाले लोगों की पहचान सुनिश्चित करना और अवैध अप्रवासन को रोकना है। विशेषकर पूर्वी भारत के राज्यों जैसे पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, मणिपुर, असम आदि में अवैध अप्रवासन बहुत हुआ है, वहां अवैध तरीके से आए लोगों ने राशनकार्ड, आधार कार्ड आदि बनवा लिए हैं। उन लोगों का राजस्थान, पंजाब, दिल्ली, हरियाणा आदि पश्चिमी राज्यों तक विस्तार हो गया है। कुछ लोग तो कश्मीर तक पहुंच गए हैं। गैर भाजपा दलों के लिए ऐसे अप्रवासी बड़े वोट बैंक साबित होते रहे हैं। इसलिए गैर भाजपा दल देश की स्थानीय समस्याओं को भुलाते हुए इन अप्रवासियों को सहयोग करते रहे हैं, इसीलिए उन्हें भी यह कानून नहीं स्वीकार रहा। यही वजह है कि इस कानून के खिलाफ देशव्यापी विरोध में विपक्षी दलों का बड़ा हिस्सा भी शामिल रहा। तब महाराष्ट्र में कांग्रेस के सहयोग से उद्धव ठाकरे की सरकार थी। अवैध अप्रवासन का दर्द महाराष्ट्र भी झेल रहा है, लेकिन इसे दरकिनार करते हुए महाराष्ट्र ने इस कानून को लागू करने से मना कर दिया था। यही स्थिति पंजाब की तत्कालीन अमरिंदर सरकार की भी थी, लिहाजा उसका रुख भी उद्धव ठाकरे सरकार की तरह रहा। राजस्थान और मध्य प्रदेश की तत्कालीन कांग्रेस सरकारों के साथ ही पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश ने भी इस कानून को अपने यहां लागू करने से मना किया था। पश्चिम बंगाल में एक दौर में अवैध अप्रवासी वाममोर्चे के बड़े वोटर थे। तब ममता बनर्जी उनका विरोध करती थीं। लेकिन अब ममता के पाले में ये घुसपैठिए वोटर आ चुके हैं, इसलिए वे अब भी इस नागरिकता कानून को लागू करने से इनकार कर रही हैं। केरल की वाममोर्चे की सरकार भी इससे इनकार करती है। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि भारत की संप्रभुता की गारंटी संसद देती है और संसद सर्वोच्च है। सवाल यह है कि क्या सर्वोच्च संसद के कानून को कोई राज्य लागू करने से कैसे मना कर सकता है? इस कानून की आलोचना के संदर्भ में उठने वाले तर्कों को भी देखा जाना चाहिए। इस कानून में चूंकि विदेशी मुसलमानों का जिक्र नहीं है, इसीलिए तर्क दिया जाता है कि यह कानून भेदभावपूर्ण है। इसी आधार पर इस पर सेकुलरिज्म के उल्लंघन का भी आरोप लगता है। इस कानून की आलोचना की एक वजह यह भी है कि नागरिकता रजिस्टर एक होगा तो मुसलमानों का बहिष्कार हो सकता है। इससे संविधान में निहित समानता और गैर भेदभाव के मूल्यों को चुनौती मिलती है। आरोप यह भी लगाया जाता है कि यह कानून लागू होने के बाद राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर में कानून की जटिलता की वजह से बेगुनाहों को अपनी नागरिकता साबित करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, नतीजतन अन्यायपूर्ण परिणाम भी देखने को मिल सकते हैं।

विपक्ष को नई भाषा, नए नारे की जरूरत

पूनम आई. कौशिश

राम काज से लेकर गरीब काज तक भाजपा ने अपने हिन्दुत्व एजेंडा में अपने सामाजिक न्याय को भी जोड़ा है और उसे आशा है कि कर्पूरी ठाकुर को सम्मानित कर वह गैर-वर्चस्व वाली पिछड़ी जातियों विशेषकर अत्यधिक पिछड़ी जातियों के वोट में सेंध लगाएगी विशेषकर बिहार में जहां पर वह इन समुदायों को लुभाने में असफल रही है क्योंकि पिछड़ी जातियों के क्षत्रप नीतीश और लालू की उनमें अच्छी पैठ है और उनका उदय अत्यधिक पिछड़ी जातियों के लिए किए गए राजनीतिक और प्रशासनिक उपायों के कारण हुआ है। किंतु प्रधानमंत्री का यह ब्रह्मास्त्र न केवल भाजपा को बिहार में हाल में हुए जातीय सर्वेक्षण और कांग्रेस द्वारा राष्ट्रव्यापी जातीय जनगणना के प्रभावों का मुकाबला करने में सहायता करेगा अपितु यादव समुदाय के 2 बड़े नेताओं बिहार की राजद लालू और परिवार तथा उत्तर प्रदेश के समाजवादी पार्टी के अखिलेश की अन्य पिछड़े वर्ग की राजनीति का भी मुकाबला करेगी और पार्टी को अत्यधिक पिछड़े वर्गों तथा सर्वाधिक पिछड़े वर्गों की हितैषी के रूप में भी प्रस्तुत करेगी और उनसे सीधी अपील भी कर सकेगी। विशेषकर नाई जैसे लगभग 200 अत्यधिक पिछड़े वर्गों के गैर-यादव समुदायों में अपनी पैठ बनाएगी तथा ठाकुर भी इन्हीं समुदायों में से एक है। यह सच है कि इससे पूर्व भाजपा दलितों और अन्य पिछड़े वर्गों में अपनी पैठ बनाने का प्रयास कर रही थी किंतु वर्तमान में उसे आशा है कि यह हिन्दुओं को समग्र छत के नीचे हिन्दू वोटों को एकजुट करने में सफल होगी। वर्तमान में भाजपा को अन्य पिछड़े वर्गों का सर्वाधिक समर्थन प्राप्त है जो 1971 में 7 प्रतिशत था और 2009 में बढ़कर यह 22 प्रतिशत तक पहुंचा और 2019 में यह दोगुना होकर 44 प्रतिशत तक पहुंचा। 2019 के चुनावों में राजग को 54 प्रतिशत अन्य पिछड़े वर्गों का समर्थन मिला। मोदी स्वयं इसी समुदाय से हैं और इसलिए पार्टी दावा करती है कि अन्य पिछड़े वर्गों को आबंटन में अत्यधिक प्रतिनिधित्व दिया गया। इसके अलावा उनकी समस्याओं पर विचार करने के लिए न्यायमूर्ति रोहिणी अन्य पिछड़े वर्ग आयोग का गठन किया गया। यह कार्य एक संवैधानिक ढांचे के अंतर्गत किया गया और इससे राजग को अन्य पिछड़े वर्गों का समर्थन मिलने में सहायता मिली। केन्द्रीय मंत्रिमंडल में 28 अन्य पिछड़े वर्गों के मंत्री तथा 80 सांसद हैं। अन्य पिछड़ी जातियों के अनेक राज्यपाल हैं। स्वयं राष्ट्रपति मुर्मू आदिवासी समुदाय से हैं। इसके अलावा भाजपा ने जद (यू) के नीतीश की राजग में वापसी करवाई है क्योंकि वर्तमान में ये जातियां जद (यू) के साथ हैं। पार्टी ने विपक्ष द्वारा अंगूर खट्टे होने के आरोपों को नकारा है। विपक्षी इंडिया गठबंधन को एक बड़ा झटका यह भी लगा है और कांग्रेस बड़ी दुविधा में है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी और केजरीवाल की 'आप' ने पंजाब में निर्णय किया है कि वे अकेले चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस ने कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने का स्वागत किया है किंतु उसने कहा है कि यह केवल प्रतीकात्मक राजनीति है और राजनीति प्रेरित है और इसका उद्देश्य आगामी चुनावों में लाभ लेना है। राहुल गांधी ने कहा कि देश को वास्तविक न्याय की आवश्यकता है और जातीय जनगणना ठाकुर को एक सच्ची श्रद्धांजलि होगी। जद (यू)के नीतीश कुमार ठाकुर की विरासत पर दावा करते हैं और उन्होंने ठाकुर को यह सम्मान देने का श्रेय लेने का प्रयास किया। राजद ने इसे भाजपा की राजनीतिक मजबूरियों और दिखावा द्वारा प्रेरित निर्णय कहा। निःसंदेह अत्यधिक पिछड़े वर्ग के नेता जननायक के नाम से लोकप्रिय ठाकुर को यह सम्मान देने से न केवल राजनीतिक परिदृश्य प्रभावित होगा क्योंकि सभी दलों में अन्य पिछड़े वर्गों और अत्यधिक पिछड़े वर्गों के मत प्राप्त करने की होड़ लगी है क्योंकि बिहार के जातीय सर्वेक्षण में उनकी संख्या 63 और 36 प्रतिशत है। राम मंदिर के उद्घाटन के साथ 'इंडिया' गठबंधन का गणित गड़बड़ा गया है जो मंदिर के बारे में भ्रामक संकेत दे रहा है। उन्हें भाजपा की सीधी अपील का प्रत्युत्तर देने के लिए नई भाषा और नए नारे की आवश्यकता होगी क्योंकि मोदी इसे धर्म और जाति से परे ले जा चुके हैं। अब विपक्षी गठबंधन को यह स्पष्ट करना होगा कि वह भाजपा को क्यों सत्ता से अलग करना चाहती है। ठाकुर एक गरीब परिवार से थे और उन्होंने बिहार के वंचित वर्गों में अपनी एक अमिट छाप छोड़ी और उन्हें न केवल पिछड़ी जाति की राजनीति के उदय का श्रेय दिया जाता है उन्होंने अन्य पिछड़े वर्गों को 26 प्रतिशत आरक्षण दिया और इसी के चलते 1990 में मंडल कमीशन की सिफारिशों का आधार बना और बाद में जातीय जनगणना का आधार बना जिसके बाद अत्यधिक पिछड़े वर्गों और सर्वाधिक पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण का फार्मूला निर्धारित किया गया।

अब नीतीश कुमार भी साथ, हिंदी पट्टी में इंडिया गठबंधन तितर-बितर, बीजेपी का किला हुआ अभेद्य

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने रविवार को जेडीयू के साथ बिहार में फिर से गठबंधन कर हिंदू पट्टी में अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है। पार्टी अभी उत्तर के कई राज्यों में सत्ता में है। पार्टी बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में सत्ता में है। हिंदी पट्टी की 218 लोकसभा सीटों में से बीजेपी के पास 170 सीटें हैं। भगवा दल ने बिहार में जेडीयू के पुराने धोखे को भूलते हुए उसे फिर से गले लगा लिया है। नीतीश कुमार ने दो बार बीजेपी को चकमा देकर आरजेडी का दामन थाम लिया था। नीतीश ने सबसे पहले 2013 में पीएम नरेंद्र मोदी के नाम पर बीजेपी से गठबंधन तोड़ लिया था। फिर इसके बाद 2022 में नीतीश एकबार फिर से आरजेडी के साथ चले गए थे। बिहार में लोकसभा की 40 सीटें हैं और अभी जेडीयू के पास 16, बीजेपी के पास 17 और लोजपा के पास 6 सीटें हैं। बीजेपी के कुछ नेताओं ने नाम नहीं बताने की शर्त पर बताया कि बिहार में पार्टी की सीटें बढ़ने वाली हैं। लेकिन जेडीयू के साथ गठबंधन के बाद एनडीए और मजबूत होगा। अभी तक बिहार में इंडिया गठबंधन एनडीए के खिलाफ खड़ा होने की कोशिश कर रहा था लेकिन नीतीश के हमारे साथ आ जाने के बाद अब रास्ता आसान हो गया है। सबसे तगड़ा झटका तो कांग्रेस को लगा है और इसका सबसे ज्यादा फायदा बीजेपी को होने वाला है। नीतीश कुमार इंडिया गठबंधन के मजबूत नेता थे। लेकिन उनका इंडिया का साथ छोड़कर बीजेपी के साथ लौटना हमारे लिए फायदेमंद होगा। बीजेपी नेता ने बताया कि नीतीश कुमार के अलावा कुछ और दल भी एनडीए से गठबंधन करना चाहते हैं। इससे साफ पता चलता है कि इंडिया गठबंधन किस स्थिति में है। उन्होंने कहा कि विपक्ष का गठबंधन टूटने के कगार पर है। ये ऐसे दलों का गठबंधन था जिनका केवल एक ही मकसद था कि किसी तरह से मोदी को फिर से चुनने से रोका जाए। उन्होंने बताया कि बीजेपी की कोशिश थी विपक्षी एकता को कमजोर किया जाए। इसके अलावा पार्टी अपने वोटों में बिखराव को भी रोकना चाहती थी। बिहार में नीतीश कुमार की वापसी के बाद पार्टी का वोट बैंक बरकरार रहेगा। नीतीश कुमार ने रविवार को इस्तीफा देने के बाद कहा था कि गठबंधन में दिक्कत हो रही थी। उन्होंने कहा कि मैंने एनडीए का साथ छोड़कर महागठबंधन के साथ आ गया था लेकिन वहां दिक्कत हो रही थी। इसलिए मैंने इस्तीफा दे दिया है। मुझे इस गठबंधन में काम करने में मुश्किल हो रही थी। जब मैंने अपने पार्टी के सदस्यों के इसके बारे में जानकारी दी तो उन्होंने मुझे इस्तीफा देने की सलाह दे दी। नीतीश के साथ आने से बीजेपी को सबसे पहला फायदा तो जेडीयू का कोर वोट बैंक कुर्मी का पार्टी को साथ मिलेगा। राज्य में 3 फीसदी कुर्मी वोटर हैं। जेडीयू के वोट बैंक के अलावा पार्टी सोशल इंजीनियरिंग पर ध्यान दे रही है। सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा को बीजेपी ने डेप्युटी सीएम बनाकर इसके संकेत भी दे दिए हैं। सम्राट चौधरी कुशवाहा (कोइरी) बिरादरी से आते हैं। राज्य में इस जाति की आबादी 6 प्रतिशत है। वहीं सिन्हा भूमिहार बिरादरी से आते हैं और राज्य में इसकी कुल आबादी 2.86 प्रतिशत है। बीजेपी को ये उम्मीद है कि जेडीयू के साथ गठबंधन के बाद जाति जनगणना की मांग कमजोर पड़ेगी। गौरतलब है कि बिहार देश का पहला ऐसा राज्य है जिसने पिछले साल जाति जनगणना कराई थी। इसके कारण ही बीजेपी बैकफुट पर भी आ गई थी।

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5133

	7			3			1	
1	3	9		8	2		6	
6							8	
7		2						1
			9		4			
8						9		6
	8							5
	5		1	4		2	9	7
	1			9			3	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5132

6	1	3	7	5	9	8	2	4
4	8	9	2	1	6	3	7	5
5	2	7	8	3	4	6	1	9
9	6	5	1	7	8	4	3	2
3	7	8	5	4	2	9	6	1
1	4	2	6	9	3	7	5	8
2	5	4	9	6	7	1	8	3
7	9	1	3	8	5	2	4	6
8	3	6	4	2	1	5	9	7

वर्ग पहेली 5133

संकेत: बाएं से दाएं

1. दुनिया की सबसे लंबी गुफा इस देश में है इसकी लंबाई का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसमें एक नदी और जंगल भी है (5)
5. किसी संख्या को उसी संख्या से गुणा करने पर प्राप्त होने वाला गुणनफल (2)
6. लुब्ध करना, ... (5)
8. एक प्रत्यय सूचक ... (3)
10. प्रेम, प्यार, इश्क, मुहब्बत (अंग्रेजी) (2)
11. सुनिश्चय नहीं, बिल्कुल नहीं (3)
13. आसान, सरल, सामान्य (3)
17. रस्म, प्रथा, दस्तूर, रीति (3)
18. दौड़ने वाला, धावक (3)
21. दंभ, मनोविकार, ... (2)
22. हीन होने का भाव, अभाव (3)
24. एक स्त्री से प्रेम करने वाले आपस में दो व्यक्ति (2)
25. निशाना, अनुमान (2)

ऊपर से नीचे

1. पंजाब की व्यास नदी का नाम, जिसका अर्थ होता है ... (3)
2. खोजना, पहचान (4)
3. कमल, कुमुद आदि की लंबी और खोखली डंडी, ... (2)
4. मचलने का भाव, लालसा, हठ (3)
5. यह देश पश्चिमी अफ्रीका में है जिसकी राजधानी अक्रा है (2)
7. गंगा नदी को यह भी कहा जाता है (5)
9. नाट्य वेश, परिधान, ... (2)
12. असम की पहाड़ियों में बसने वाली एक जंगली जाति, अनुपस्थिति, गैर हाजिरी (2)
14. विविध भारती से श्रोताओं पर आधारित एक दैनिक कार्यक्रम (5)
15. न्यायमूर्ति, फैसला करने वाला (2)
16. अवरोधहीन, अबाधित (4)
19. जंगल, अरण्य, कानन (2)
20. पंक्ति, श्रेणी, क्रम, सिलसिला (3)
23. समस्त, एक प्रसिद्ध टीवी चैनल (2)

वर्ग पहेली 5132 का हल

मा	ल	वी	य		लो	हि	त
ली	न	मा		न	भ	व	र
	क	धा	ल			क	फ
तु		ठ	म		धा	मा	
ल	ट	का	न		हर्ष		धू
सं	ल			नू		सा	डा
द	मा	द	न		सा	य	र
न		ही	र	सं	हा		

आज का राशिफल

मेष: [illegible] शुभांक-3-5-7

वृषभ: [illegible] शुभांक-3-5-6

मिथुन: [illegible] शुभांक-2-4-6

कर्क: [illegible] शुभांक-3-6-7

सिंह: [illegible] शुभांक-3-6-8

कन्या: [illegible] शुभांक-6-7-8

तुला: [illegible] शुभांक-1-4-6

वृश्चिक: [illegible] शुभांक-4-7-9

धनु: [illegible] शुभांक-1-7-9

मकर: [illegible] शुभांक-6-7-9

कुंभ: [illegible] शुभांक-4-6-9

मीन: [illegible] शुभांक-3-5-7

वीपीएल 2: आज से क्रिकेटमय होगा दशपुर

भव्य समारोह के साथ होगा शुभारंभ, वात्सल्य प्रीमियर लीग में दिखेगे क्रिकेट दुनिया के बड़े चेहरे

मंदसौर, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस।क्रिकेट का महाकुंभ आज दो फरवरी से नूतन स्टेडियम में शुरु होगा। आईपीएल की तर्ज पर खेले जाने वाले वात्सल्य प्रीमियर लीग सीजन 2 की शुरुआत के साथ ही मंदसौर में दस दिवसीय क्रिकेट महोत्सव शुरु हो जाएगा। इसको लेकर गनेडीवाल चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा नूतन स्टेडियम का नवीनीकरण भी कराया गया है। जिसके बाद नूतन स्टेडियम की तुलना अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम से की जा रही है। महत्वपूर्ण बात यह है कि वीपीएल 2 में विजेता टीम के ऑनर को महेंद्रा थार(वाहन)के साथ ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया जाएगा। नूतन स्टेडियम पर शाम साढे छह बजे दूधिया रोशनी में खेले जाने वाले वीपीएल का एक भव्य माहौल में शुरभारंभ होगा। वीपीएल की शुरुआत में आयोजित होने वाले भव्य कार्यक्रम के साथ सभी मैचों में निशुल्क प्रवेश क्रिकेट प्रेमियों के लिए रहेगा। टूर्नामेंट में पिछले साल की तरह क्रिकेट दुनिया के नामी चेहरे मैदान में नजर आएंगे। आईपील, रणजी ट्रॉफी सहित क्रिकेट के बडे टूर्नामेंट में हिस्सा ले चुके खिलाडी भी वीपील का हिस्सा बनेगे। शुभारंभ अवसर पर जिला क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारियों के साथ गनेडीवाल चेरिटेबल ट्रस्ट के पदाधिकारी और सदस्य, वात्सल्य पब्लिक स्कूल का खेल विभाग का स्टॉफ मौजूद रहेगा। उल्लेखनीय है कि पिछले साल वीपीएल सीजन 1 को मंदसौर की जनता ने खासा पसंद किया था। आपको बता दे कि गनेडीवाल चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित वात्सल्य पब्लिक स्कूल ने स्थानीय खेल प्रतिभाओं को उभारने के लिए प्रशंसनीय प्रयास शुरु किया है। शहर की क्रिकेट प्रतिभाओ को राष्ट्रीय स्तर के खिलाडियों के साथ मैदान साझा करने का मौका मिलेगा।

गनेडीवाल चेरिटेबल ट्रस्ट ने किया स्टेडियम में काम–वात्सल्य प्रीमियर लीग की तैयारियां काफी दिनों से चल रही थी। वीपीएल में क्रिकेट दुनिया के नामी चेहरे हिस्सा ले रहे हैं। यहीं कारण है कि मैदान को इस स्तर का बनाने को लेकर गनेडीवाल चेरिटेबल ट्रस्ट ने खासा काम किया है। हर छोटी से बडी चीज को मद्देनजर रखते हुए मैदान को संवारा गया है।

यह रहेगा समय–टूर्नामेंट दो फरवरी से शुरु होगा। जिसमें सभी मैच दूधिया रोशनी में खेले जाएंगे। फाईनल मुकाबला 11 फरवरी को खेला जाएगा। हर दिन पद्रह-पद्रह ओवर के दो मैच होगे। पहला मैच शाम साढे चार से साढे सात बजे तक खेला जाएगा। दूसरा मैच आठ बजे से ग्यारह बजे तक खेला जाएगा। शुभारंभ अवसर पर पहले दिन टूर्नामेंट का पहला मैच सफल वॉरियर्स बनाम मंदसौर स्ट्राइकर्स के बीच रात आठ बजे से शुरु होगा।

आसमान देगा गवाही–वीपीएल दो के रूप में मंदसौर में क्रिकेट महोत्सव की शुरुआत भी यादगार रहेगी। भव्य आतिशबाजी के साथ वीपीएल दो का शुभारंभ होगा। मतलब मंदसौर का आसमान वात्सल्य प्रीमियर लीग की भव्यता की गवाही देगा।

यह छह टीमें, छह टीम ऑनर–टीम के मालिकों की बात करें तो मंदसौर मॉवरिक्स टीम के ऑनर उद्योगपति विशाल गोयल, क्रिक स्पारटेंस टीम के ऑनर खिलाडी एवं व्यवसायी निरांत बग्गा, राज राईडर्स टीम के ऑनर सुधीर लोढा और उपेंद्र भूता, मंदसौर इंडियन टीम के ऑनर व्यवसायी पीयूष गर्ग एवं व्यवसायी कपील नाहटा, सफल वॉरियर्स टीम के ऑनर कॉलोनाईजर रमेश(रम्मू) अग्रवाल एवं मोहन मेघनानी और मंदसौर स्ट्राइकर टीम के ऑनर व्यवसायी रजत डोसी है।

बस स्टेण्ड का निर्माण अधर में, 5 माह से बंद पड़ा कार्य

सुवासरा, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। नगर में करोडों की लागत से बन रहे बस स्टैंड का निर्माण 5 माह से बंद पडा हैं। इसका मुख्य कारण नगर परिषद पर ठेकेदार का करीब 85 लाख रुपया बकाया है। राशि नही मिलने के अभाव में ठेकेदार ने काम बंद कर रखा है। इधर नगर परिषद ने प्रथम चरण में बन रही 38 दुकानों की नीलामी तीन बार विज्ञप्ति निकालकर जारी की। लेकिन दुकानों का आधार मूल्य ज्यादा होने से कोई रुचि नहीं ले रहा है। एक सितंबर को परिषद ने पहली नीलामी में दुकानों का आधार मूल्य 15लाख रुपए से शुरुवात की थी। लेकिन मूल्य ज्यादा होने से केवल तीन व्यक्तियो ने ही इसमें रुचि दिखाई। इसके बाद दूसरी नीलामी 25 सितंबर को की गई। इसमें भी मात्र एक व्यक्ति ने दुकान खरीदी। तीन महीने बाद परिषद दुकानों का आधार मूल्य घटाकर 12 लाख किया और 17 जनवरी को पुन: तीसरी बार दुकानों की नीलामी प्रक्रिया की। जिसमे भी केवल चार व्यक्तियों ने ही दुकानें खरीदी। परिषद ने बस स्टैंड से 10 महीने पहले 23 अप्रैल2023 को अस्थाई गुमटी और दुकानदारों को हटाकर निर्माण कार्य प्रारंभ किया था। लेकिन अधूरे बस स्टैंड निर्माण का कार्य बंद होने से बस स्टैंड के व्यापारी बेरोजगार हो गए। परिषद की निर्माणधीन दुकानों का नीलामी मूल्य अधिक होने से बस स्टैंड पर वर्षो से व्यवसाय करने वाले छोटे व्यापारी की पहुंच से ये दुकानें दूर होती जा रही हे। अभी तक 8 दुकानें नीलाम हुई है और इसमें भी रसूखदारों ने निवेश के हिसाब से दुकानें खरीदी है।

बस स्टैंड निर्माण कंपनी के ठेकेदार राजवीर सिंह ने बताया की परिषद समय पर कार्य का भुगतान नहीं कर रही हे। परिषद पर करीब 85 लाख रूपए बकाया है। बकाया राशि के भुगतान पर कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने निर्माधीन बस स्टैंड को अपने विकास की उपलब्धि बताया था। लेकिन अब इसकी सुध लेने वाला कोई नहीं है। परिषद दुकानें नीलाम होने के इंतजार में बैठी है। नीलामी की राशि से आगे का कार्य प्रारंभ होगा।

ये कहते हैं जिम्मेदार

ठेकेदार की बकाया राशि के कारण कार्य बंद हे। जो दुकानें नीलाम हुई हे उनकी राशि से शीघ्र ही भुगतान कर निर्माण शुरू करवाएंगे। शेष दुकानों की नीलामी के लिए परिषद के बैठक कर जल्द निर्णय लेंगे।

सविता बालाराम परिहार
अध्यक्ष नगर परिषद सुवासरा

परिषद की बैठक में पुन: नीलामी प्रक्रिया का प्रस्ताव रख जल्द कार्य प्रारंभ करेंगे। इसमें निर्णय नही हुआ तो शासन को ऑफलाइन नीलामी के लिए पत्र लिखेंगे।

यश निगम
इंजीनियर नगर परिषद सुवासरा

नपा के तीन कर्मचारियों की सेवा निवृत्ति पर समारोह आयोजित कर दी विदाई

मंदसौर, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस।कल नपा सभाग्रह में नगर पालिका परिषद मंदसौर में कार्यरत सहायक ग्रेड 2 अशोक प्रधान, अनुसुईया उपाध्याय, विनिमित कर्मचारी मो हुसैन की सेवानिवृत्ति होने पर मंदसौर नगर पालिका कर्मचारी संघ के द्वारा बिदाई समारोह का आयोजन किया गया। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, पूर्व अध्यक्ष राम कोटवानी, नपा नेता प्रतिपक्ष रफत पयामी, नगर पालिका कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष राकेश मिश्रा के मुख्य आतिथ्य एवं पार्षदगण सुनिता भावसार, दिपक गाजवा, अनुप माहेश्वरी राकेश भावसार भी मंचासीन थे। कार्यक्रम में राजेश गुर्जर, नरेन्द्र बंधवार, पीएस धारवे कार्यपालन यंत्री सहित नपा के कई अधिकारीगण कर्मचारीगण भी उपस्थित थे।

नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर ने कहा कि आज हमारे जो तीनो कर्मचारी सेवानिवृत्त हो रहे है। ये तीनो कर्मचारी अपनी कर्तव्य निष्ठा एवं सेवाभावना के कारण समय से मंदसौर कार्यरत रहे। इनकी सेवानिवृत्ति पर नपा परिषद इन्हे बधाई देती है। नपा परिषद के लिये इन्होने हो काम किया है यह अन्य कर्मचारीयो के लिये भी प्रेरणा स्त्रोत्र है। नपा कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री राकेश मिश्रा ने कहा कि नपा कर्मचारी संघ नपा कर्मीयो का एक मात्र मान्यता प्राप्त संगठन है तथा पुरे प्रदेश में इसकी ईकाई कार्यरत है। नपा कर्मचारीयो को केन्द्र व प्रदेश सरकार के समान जो वेतन भत्ते एवं सुविधाये मिलती है वह सब इसी महासंघ के संघर्ष का परिणाम है। कुछ माह से नगर पालिकाओ नगर निगामो में वेतन मिलने में जो देती हो रही है। उसके संबंध में नगरीय प्रशासन मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय से महासंघ को चर्चा हुई है। उम्मीद है एक दो माह में स्थिति पुन पहले जैसी हो जायेगी। कार्यक्रम में पूर्व नपाध्यक्ष राम कोटवानी नेता प्रतिपक्ष रफत पयामी, सेवानिवृत्त हे रहे अशोक प्रधान ने अपने विचार रखे। आभार पीएस घारवे ने माना कार्यक्रम में कर्मचारी संघ के नवनिर्वाचित पदाधिकारीगण राजेश दावरे विनोद गुर्जर, राजेन्द्र नीमा भी उपस्थित थे।

बाइक चोरी, प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। घर के बाहर खडी बाइक चोरी हो गई। पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पिपलियापंथ निवासी राहुल गुर्जर ने पिपलिया थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि रात्रि में खेत की सिंचाई करने आने के बाद मैंने अपनी बाइक (एमपी 14 एमजेड 9662) को घर के बाहर लॉक कर खडी कर दी। सुबह उठकर देखा तो बाइक नही थी। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक नही मिली। जिसे अज्ञात बदमाश चोरी कर ले गया। पुलिस ने शिकायत पर चोरी में प्रकरण दर्ज किया।

जिला स्तरीय रोजगार दिवस कार्यक्रम में 11 हजार से अधिक युवाओं को...

97 करोड़ से अधिक के लाभ पत्र वितरीत

नीमच, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस।प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव द्वारा गुरूवार को मुरैना में राज्य् स्तरीय रोजगार दिवस कार्यक्रम में शासन की महत्वकांक्षी विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के तहत प्रदेश के 7 लाख से अधिक युवाओं को 5 हजार 151 करोड रूपये की राशि से अधिक के लाभ पत्र स्वदरोजगार से जोडने के लिए वितरित किए गए। राज्यज स्तरीय रोजगार दिवस कार्यक्रम का नीमच जिले में भी आयुष भवन नीमच में सीधा प्रसारण किया गया।

आयुष भवन नीमच में आयोजित

जिला स्तणरीय रोजगार दिवस कार्यक्रम में विभिन्न्ू स्व रोजगारमुलक योजनाओं के तहत 11 हजार 650 लाभार्थियों को 9786.21 लाख रूपये की राशि का ऋण स्वयरोजगार के लिए वितरित किया गया। कार्यक्रम में एसडीएम नीमच डॉ.ममता खेडे, महाप्रबंधक उद्योग श्री अमरसिह मौरे, जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक श्री सत्येन्द्रड कुमार शर्मा, विधायक प्रतिनिधि श्री प्रफुल कटारिया ने प्रतिक स्वरूप 20 हितग्राहियों को लाभपत्र एवं स्वीाकृति पत्र वितरित किए। कार्यक्रम का संचालन श्री प्रवीण आर्य ने किया तथा अंत में श्री अमर सिह मौरे ने आभार व्यिक्तम किया।

तेली समाज सामूहिक विवाह 23 अप्रेल को

पिपलियामंडी, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। घाणावार तेली तेली समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन 23 अप्रेल को भादवामाता में होगा। विवाह समिति के निर्मल राठौर ने बताया सम्मेलन की तैयारी जारी है। प्रतिपक्ष से 21501 रुपए निर्धारित किया है। स्वजातीय बंधु अधिकाधिक जोडों का पंजीयन कराए।

कलेक्टर ने बेस्ट एम्प्लाई ऑफ दी मंथ पुरस्कार से किया...

अधिकारी-कर्मचारी को किया सम्मानीत

नीमच, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन द्वारा अधिकारी-कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए बेस्ट एम्लाई ऑफ दी मंथ पुरस्कार योजना के माह जनवरी-2024 में उत्कृष्ठ कार्य करने वाले 10 अधिकारी-कर्मचारियों को बेस्ट एम्पलाई ऑफ दी मंथ पुरस्कार का वितरण कलेक्टोरेट कार्यालय परिसर नीमच में किया गया।

कलेक्टर श्री दिनेश जैन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री नवलसिह सिसौदिया, जिला पंचायत सीईओं श्री गुरूप्रसाद ने कलेक्टोरेट में आयोजित एक कार्यक्रम में दस अधिकारी-कर्मचारियों को बेस्ट एम्पलाई ऑफ दी मंथ के पुरस्कार वितरण समारोह में पुलिस विभाग के श्री राजेन्द्र अग्रवाल, श्री महेन्द्र सिह तोमर, श्री मनु जाट, श्री राजेन्द्र सिह, श्री गिरधारी जिविशा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास के पंचायत समन्वय अधिकारी जावद श्री हंसराज बोहरा, मनासा श्री विजय विजयवर्गीय, खाद्य विभाग के कम्प्यूटर ऑपरेटर श्री महावीर भोई, राजस्वर विभाग पटवारी चीताखेडा श्री नरेन्द्र योगी, आदिम जाति कल्याण विभाग अधीक्षक बालक छात्रावास चचोर श्री गोपाल चौहान को शासकीय कार्यो के क्रियान्वयन में उत्कृष्ठ कार्य करने पर बेस्ट एम्पलाई ऑफ दी मंथ के पुरस्कातर से सम्मानित किया। इस अवसर पर कक्षा 5वीं व 8वीं के टॉपर छात्र-छात्राओं के नाम प्रदर्शित करने संबंधी बोर्ड प्रदान किये गए। शा.एकीकृत मा.वि.बामनबर्डी की कक्षा 8वीं की छात्रा ज्यो ति, शा.प्रा.वि. खडावदा की कक्षा 5वीं की छात्रा कु.अंशिता पंवार, शा.मा.वि. मालखेडा की कक्षा 8वीं के छात्र पप्पु मेघवाल को टॉपर बोर्ड स्कूलों को प्रदान किये गये।

नागर ब्राह्मण समाज का मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा एवं सामूहिक यज्ञोपवित संस्कार कार्यक्रम सम्पन्न

मंदसौर, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस।नागर ब्राह्मण समाज के आराध्यदेव भगवान हाटकेश्वर भोलेनाथ के मंदसौर स्थित हाटकेश्वर धाम मंदिर पर भगवान शिव परिवार के भगवान गणेश, मॉ पार्वती, कार्तिकेय व नंदी देव की प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा का तीन दिवसीय अनुष्ठान कार्यक्रम आचार्य श्री सूर्यप्रकाश शर्मा के आचार्यत्व में पं. श्री धीरेन्द्र नागर, श्री मनु शर्मा, श्री तरूण नागर, पं. मुकेश नागर द्वारा एवं समाज के आठ बटूकों का उपनयन संस्कार कार्यक्रम लोढेसाथ धर्मशाला मंदसौर पर आचार्य पं. श्री जितेन्द्र रावल अध्यक्ष नागर परिषद रतलाम एवं श्री विकास नागर, श्री योगेन्द्र नागर द्वारा सम्पन्न करवाया गया। इस अवसर पर भगवान की मूर्तियों का भव्य चल समारोह निकला गया। प्राण प्रतिष्ठा के यजमान के रूप में श्री भगवतीलाल श्रीमती सुमित्रा

नागर उदयपुर, श्री प्रभाशंकर श्रीमती मधुबाला मेहता, श्री ओमप्रकाश श्रीमती उषा नागर, श्री संतोष, श्रीमती राधा नागर, श्री गोविन्द श्रीमती भगवती नागर लाभार्थी बने। समाज के बटूक के रूप में श्री नैतिक दवे पुत्र प्रतिक दवे श्रीमती अम्रता दवे, केशव मेहता पुत्र प्रवीण, श्रीमती दीपिका मेहता, रिंगवेद पुत्र जितेन्द्र श्रीमती श्वेता मेहता, कुलदीप पुत्र विष्णुप्रसाद, श्रीमती निरूपमा नागर, चन्द्रेश नागर, अमन नागर पुत्र मोहन, श्रीमती निर्मला नागर, विवेक पुत्र महेन्द्र श्रीमती आशा नागर, अमन पुत्र दिनेश श्रीमती सरस्वती नागर का उपनयन संस्कार हुआ।

गांव चलो अभियान अंतर्गत मंडलो की कार्यशाला सम्पन्न

मंदसौर, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस।भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा एंव भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा के नेतृत्व में संगठन कार्य निरंतर जारी है। इसी क्रम गांव चलो अभियान की जिले की कार्यशाला सम्पन्न होने के पश्चात मंडलो की कार्यशाला प्रारंभ हो चुकी है। गांव चलो अभियान के जिला संयोजक एंव भाजपा जिला उपाध्यक्ष शिवराज सिंह राणा, गांव चलो अभियान के जिला सह संयोजक गण अजय तिवारी एंव विनय धनगर ने जानकारी देते हुए बताया की प्रदेश द्वारा चलाया जा रहा गांव चलो अभियान के अंतर्गत भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया के नेतृत्व में दिनांक 02 फरवरी 2024 शुक्रवार को निम्न मंडलो की कार्यशाला का आयोजन रखा गया है। जिसमें भाजपा के भैसोदा, गरोठ, मेलखेडा, पिपलिया मंडी एंव मंदसौर ग्रामीण मंडल की कार्यशाला आयोजित होगी। जिसमें वक्ता के रूप में गरोठ मंडल में विधायक चंदर सिंह सिसोदिया, मंदसौर ग्रामीण मंडल में पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसोदिया, पिपलिया मंडी मंडल में पूर्व कैबिनेट मंत्री कैलाश चावला, मेलखेडा मंडल में पूर्व विधायक राधेश्याम पाटीदार, भैसोदा मंडल में भाजपा जिला मंत्री अजय तिवारी एंव भाजपा मंडल प्रभारी भाजपा जिला महामंत्री विजय अठवाल, वरिष्ठनेता राजेश चौधरी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष संजय मुरडिया एंव भाजपा जिला सह कार्यालय मंत्री राहुल मुजावदिया उपस्थित रहेगें।

एड्स से बचाव को लेकर किया जागरुक

पिपलियामंडी, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। नेहरू युवा केन्द्र व आउट ऑफ स्कूल एड जागरूकता नियंत्रण समिति ने एड जागरूकता व रोकथाम कार्यक्रम आयोजित किया। नेहरू युवा केंद्र मंदसौर के जिला युवा अधिकारी अभिलाष मस्के के मागदर्शन मे समिति पदाधिकारियों नें युवाओं को एचआईवी के वायरस, उसके लक्षण और उससे होने वाली हानि के साथ ही बचाव के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। युवाओं की समाज मे किस प्रकार भूमिका पर भी विचार रखे ब्लॉक समन्वयक आनंद फूलोद, रौनक शर्मा, पल्लवी चंदेल, रानू पंवार, निलेश कुशवाह, रोहित चौहान आदि उपस्थित थे। संचालन सुनील वैष्णव ने किया, आभार रौनक शर्मा ने माना।

सांसद ने किया ओपन जिम का उद्घाटन

मंदसौर, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। सरस्वती विहार शैक्षिक संस्थान पर नवनिर्मित ओपन जिम का उद्घाटन मंदसौर संसदीय क्षेत्र के सांसद श्री सुधीर गुप्ता द्वारा किया गया।

इस ओपन जिम में लगभग 10 प्रकार के उपकरण लगाए गए है जो विद्यालय में अध्ययनरत भैया बहिनों के स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद होंगे। इस उद्घाटन कार्यक्रम में विद्या भारती मालवा प्रांत के प्रादेशिक सचिव श्री प्रकाश धनगर, भारतीय आदर्श शिक्षण समिति के अध्यक्ष श्री अशोक पारीख, संस्था के प्रबंधक व समिति के सहसचिव श्री सुनील शर्मा, समिति कोषाध्यक्ष श्री राजदीप परवाल, उपाध्यक्ष श्रीमती वर्तिका पारीक, समिति सदस्य श्रीमती रेखा कुमावत, सीबीएसई व सैनिक विद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती सरोज प्रसाद, एमपी बोर्ड विद्यालय के प्राचार्य श्री महेश वम्रा, छात्रावास अधीक्षक श्री कमल किशोर गोठी, प्रधानाचार्य श्री प्रवीण मिश्रा, उपप्राचार्य सुश्री लक्ष्मी राठौड, आचार्य परिवार व समस्त भैया - बहिन उपस्थित रहे।

सेवा पूर्ण कर जिला अभियोजन कार्यालय मंदसौर से सेवानिवृत्त हुए डीडीपी जैन

मंदसौर, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस।जिला लोक अभियोजन कार्यालय-मंदसौर में पदस्थ डी.डी.पी. श्रीमान सुशील कुमार जैन 40 वर्ष की सफलतापूर्वक सेवा पूर्ण करने पर सेवानिवृत्त हुए।

अभियोजन मीडिया सेल प्रभारी दीपक जमरा द्वारा बताया कि दिनांक 31.01.2024 को जिला लोक अभियोजन कार्यालय में पदस्थ डी.डी.पी. श्री सुशील कुमार जैन अपनी सेवा के 40 वर्ष पूर्ण कर आज सेवानिवृत्त हुए। श्री सुशील कुमार जैन डी.डी.पी. सर द्वारा रतलाम, भोपाल, नीमच, जावरा, झुबआ, इंदौर, उज्जैन, छतरपुर, मंदसौर में अपनी सेवाएं दी। सेवानिवृत्ति कार्यक्रम पर जिला अभियोजन कार्यालय रतलाम, जिला अभियोजन अधिकारी सीहोर एवं पूर्व सेवानिवृत्त डी.डी.पी एवं अभियोजन परिवार मंदसौर द्वारा डी.डी.पी. जैन साहब का स्वागत किया गया। जिला अभियोजन अधिकारी सुश्री निर्मला चौधरी द्वारा श्रीमान का स्वागत कर अभिनंदन-पत्र दिया गया, सहायक जिला अभियोजन अधिकारी/कर्मचारीगण द्वारा शाल एवं श्रीफल, गिफ्ट, देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन एडीपीओं श्रीमती दिप्ती कनासे द्वारा किया गया एवं जिला अभियोजन अधिकारी द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

दुदरसी एवं लेवड़ा के राजस्व सेवा शिविर में ग्रामीणों से रूबरू हुए-कलेक्टर

कलेक्टर ने किया ग्रामीणों की राजस्व संबंधी समस्याओं का समाधान

नीमच, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री दिनेश जैन के मार्गदर्शन में जिले में आयोजित किये जा रहे विशेष राजस्व अभियान के तहत गुरूवार को नीमच तहसील केग्राम दुदरसी एवं लेवडा में आयोजित राजस्व सेवा शिविर में कलेक्टर श्री दिनेश जैन ने उपस्थित होकर ग्रामीणों की राजस्व संबंधी समस्याएं सुनी और उनका निराकरण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री जैन ने दुदरसी ग्रामीणों के समक्ष पटवारी से बी-1 का वाचन करवाया करवाया और मृतक खातेदारों के फौती नामांतरण करने की प्रक्रिया पूरा करने के निर्देश उपस्थित तहसीलदार को दिए। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के लाभ से वंचित रहे पात्र किसानों के आधार, समग्र आईडी एवं आवेदन प्राप्त कर, उन्हें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ दिलाने के निर्देश भी तहसीलदार को दिए। इस मौके पर कलेक्टर श्री जैन ने ग्रामीणों से कहा, कि राजस्व विभाग की विभिन्न प्रकार की कई सेवाएं ऑनलाइन हो गई है। ग्रामीणजन और किसानभाई सीएससी सेंटर लोकसेवा केंद्र अथवा अपने मोबाइल से इन सेवाओं का ऑनलाइन लाभ उठा सकते हैं। इस मौके पर एसडीएम डॉ.ममता खेडे, तहसीलदार

श्री प्रेमशंकर पटेल व अन्य अधिकारी व ग्रामीण जन उपस्थित थे। राजस्व सेवा शिविर में कलेक्टर ने मानसिह पिता भगरान सिह को प्रधानमंत्री किसान सम्मा न निधि का लाभ दिलाने के निर्देश देते हुए कहा, कि दुदरसी गांव का कोई भी पात्र किसान प्रधानमंत्री किसान सम्माटन निधि के लाभ से वंचित ना रहे। ग्रामीण बलवंत मालवीय के आगृह पर कलेक्टोर ने दुदरसी में गांव के प्राथमिक विद्यालय एवं निर्माणाधीन आंगनवाडी केंद्र भवन का निरीक्षण कर, परिसर में पुराने बंद शौचालय, साफ-सफाई कर उपयोग में लाने के निर्देश दिए। साथ ही बालिकाओं के लिए शाला परिसर में नवीन शौचालय का निर्माण करवाने के निर्देश भी दिए।

खेत पर जाने का दिलाया रास्ता–गांव दुदरसी में आयोजित राजस्व सेवा शिविर में किसान सुरेन्द्र सिह ने कलेक्टर श्री जैन से अनुरोध किया, कि सीमांकन के बाद भी विपक्षी द्वारा पुन: कब्जा कर, लिया गया है। सीमा चिन्हो हटाकर पत्थर डाल दिये है। इस पर कलेक्टर ने तहसीलदार श्री पटेल को निर्देश दिए, कि वे पटवारी के साथ मौका निरीक्षण कर, आवेदक सुरेन्द्र सिह का रास्ता व सीमाकंन संबंधी समस्या का समाधान करें। इस पर तहसीलदार श्री प्रेमशंकर पटेल ने मौके का मुआयना किया और सुरेन्द्र सिह व अन्य पक्ष के लोगों से चर्चा कर, विपक्ष व्दारा किया गया कब्जो हटवाया गया। इस तरह राजस्व सेवा शिविर में आवेदक सुरेन्द्र सिह की समस्या का मौके पर ही समाधान हो गया है। अब सुरेन्द्र सिह को खेत पर जाने का रास्ता मिल गया है। कलेक्टर श्री जैन ने दुदरसी के शिविर में बच्चे प्रवीण गिरी-शिवपुरी के त्वचा रोग व नेत्र रोग के उपचार के लिए आर.बी.एस.के. की टीम को गांव में भेजकर नि:शुल्कर उपचार की व्यवस्था करने के निर्देश भी ए.एन.एम.व एसडीएम को दिए। कलेक्टर ने दुदरसी में वर्तमान में स्थित आबादी को आबादी घोषित करने व शमशान के लिए अलग से भूमि आवंटित करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने दुदरसी में युवा किसानों से किसान एप डाउनलोड कर ऑनलाईन फसल की गिरदावरी करने की भी समझाईश दी।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	39	2215	2300
उडद	19	4451	8900
सोयाबीन	3557	3620	4618
गैहु	2828	2350	3153
चना	43	4901	5901
मसुर	74	4900	6025
धनिया	313	5000	7291
लहसुन	10500	13001	28200
मैथी	703	4910	7090
अलसी	700	4501	4901
सरसो	1379	4011	4552
तारामीरा	4	4280	4481
इसबगोल	7	10000	16001
प्याज	1709	270	1051
कलोंजी	131	8180	17227
डॉलर	5	8050	14701
तिल्ली	5	14099	14099
मटरसुखी	-	-	-
असालीया	156	6751	9080

गरीब, महिला, युवा और किसान की प्रगति से विकसित भारत बनाने वाला बजट - अटोलिया

मंदसौर, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत किये गये बजट में महिला, युवा, किसान और गरीब कल्याण की आवश्यकताएं और आकांक्षाएं पूर्ण होगी। मोदी सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने कहा की इस बजट में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास एवं सबके प्रयास से देश आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के रूप में अपने आप को स्थापित करेगा। इस बजट में रेल्वे के क्षेत्र में कई नवीन योजनाओं को प्रस्तावित किया गया है। वही पर्यटन के क्षेत्र में विदेशी निवेश के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का संकल्प पुरा हो रहा है, मोदी सरकार का लक्ष्य लखपति दीदी की संख्या 2 करोड़ से बढ़ाकर 3 करोड़ पंहुचाने की है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अगले 5 साल में ग्रामीण क्षेत्र में 2 करोड़ नवीन प्रधानमंत्री आवास का प्रावधान इस बजट में किया गया है।

मोदी सरकार का बजट विकास की गति को बढाने वाला बजट है -कियावत

मंदसौर, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य श्री अनिल कियावत ने बताया कि केन्द्रिय वित मंत्री निर्मला सीतारमन ने मोदी सरकार का जो अंतरिम बजट पेश किया है वह स्वागत योग्य है। मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्ष में जो काम किया है आगामी बजट से उन सभी कामो को ओर नई गति मिलेगी। ग्रामीण क्षेत्रो में 2 करोड नये घर बनाने का जो लक्ष्य रखा गया है उससे ग्रमीण जीवन बेहतर होगा तथा गरीबो का जीवन स्तर और सूधार होगा। आयुष्मान कार्ड योजना में आशा कार्यकर्ताओ को शामिल करने का निर्णय सराहनीय है। समुर्दी दीपो में पर्यटन को बढावा देने के लिये जो बजट में प्रावधान किया गया है उससे अथव्यवाओ को और नयी गति मिलेगी।

आयुष्मान का लाभ तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को भी मिलना था-कुमावत

मंदसौर, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। हर वर्ष की तरह इस बार केन्द्र की मोदी सरकार का बजट आम जनता के लिए घोर निराशावादी रहा है। खासकर मध्यमवर्गीय परिवारों को सरकार ने कोई राहत नहीं दी। उक्त बात कहते हुए केन्द्रीय बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष एवं युवा इंटक जिलाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमावत ने बताया कि आयुष्मान योजना में सरकार ने सिर्फ आशा कार्यकर्ताओं को लिया है जबकि इस दायरे में सरकारी तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को भी लिया जाना चाहिए था। इस बार बजट को लेकर सरकार से बेहद उम्मीदें थी लेकिन मोदी सरकार से एक बार फिर की गई उम्मीद बेकार साबित हुई।

केन्द्र सरकार के अंतरिम बजट में राहत जीरो-भाटी

मंदसौर, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। जिला कांग्रेस कमेटी के प्रभारी महामंत्री एवं प्रवक्ता श्री सुरेश भाटी ने केन्द्र की मोदी सरकार के अंतरिम बजट पर प्रतिक्रिया देते हुये कहा कि केन्द्र सरकार का बजट में चुनावी वर्ष के बावजुद मध्यमवर्ग, किसानो एवं युवाओ के लिये कोई भी राहत का ऐलान नही है। बजट देखकर स्पष्ट होता है कि सरकार को नागरिको के आर्थिक कल्याण की बजाय धार्मिक ऐजेन्टे पर अधिक भरोसा है। श्री भाटी ने कहा कि सरकार ने टैक्स स्लेब में परिवर्तन नही करने, किसानो के लिये ठोस प्रावधान नही होने अलावा युवाओ को रोजगार के लिये नया ऐलान नही किया गया है।

बजट: टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं, बड़ी घोषणाओं से परहेज

नई दिल्ली, 1 फरवरी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने किसानों, महिलाओं, युवाओं व सबसे गरीब आबादी को सशक्त बनाने पर प्रमुख ध्यान के साथ अंतरिम बजट 2024।25 पेश कर दिया है। सीतारमण ने कहा कि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता गरीब, महिलाएं, किसान व युवा हैं। यह व्यापक रूप से उम्मीद की गई थी कि सरकार किसानों की आय बढाने, महिलाओं को सशक्त बनाने व युवाओं के लिए अधिक नौकरियां पैदा करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। इस साल लोकसभा के चुनाव होने हैं इसलिए अंतरिम बजट पेश किया गया। नई सरकार के गठन के जुलाई में पूर्ण बजट पेश किया जाएगा। इसलिए सरकार की ओर से बडे ऐलान से परहेज किया गया है।

बजट की प्रमुख बातें-

✻ वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने चुनाव पूर्व बजट में कहा कि भारत के लोग आशा और विकल्पों के साथ भविष्य की ओर देख रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने समावेश के सभी पहलुओं का ध्यान रखा। वित्त मंत्री ने कहा कि संरचनात्मक सुधारों, जन-समर्थक कार्यक्रमों और रोजगार के अवसरों ने अर्थव्यवस्था को नई ताकत देने में मदद की।

✻ सरकार 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाने की दिशा में काम कर रही है। अन्नदाता किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य समय-समय पर और उचित रूप से बढ़ाया गया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार के लिए सामाजिक न्याय एक प्रभावी तथा आवश्यक मॉडल है। वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार प्रणालीगत असमानताओं को दूर करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

✻ वित्त मंत्री ने कहा कि देश में 80 करोड लोगों को मुफ्त राशन मिलने से उनकी भोजन संबंधी चिंताएं खत्म हो गयी हैं। उन्होंने लोकसभा में अंतरिम बजट पेश करते हुए कहा कि 2014 में जब मोदी सरकार सत्ता में आई तो भारत भारी चुनौतियों का सामना कर रहा था। सरकार ने सही तरीके से चुनौतियों पर काबू पाया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले साल नवंबर में कहा था कि उनकी सरकार गरीब आबादी के लिए मुफ्त राशन योजना को पांच साल के लिए बढ़ाएगी।

✻ वित्त मंत्री ने कहा कि पिछले 10 साल में 25 करोड लोगों को बहुआयामी गरीबी से मुक्ति मिली है। अब पारदर्शिता के आधार पर सभी पात्र नागरिकों के लाभ हस्तांतरित किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के जरिये परिवर्तनकारी सुधारों की शुरुआत की जा रही है।

✻ आयकर स्लैब में कोई बदलाव नहीं प्रत्यक्ष और परोक्ष कर की दरों में कोई बदलाव नहीं किया जा रहा। वित्त वर्ष 2024-25 में 30180 लाख करोड रुपये की कुल प्राप्तियां उधारी को छोडकर रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि कर रिटर्न की प्रक्रिया में लगने वाला समय 2014 में 93 दिन से घटकर अब 10 दिन रह गया है।

✻ देश ग्रामीण आवास योजना के तहत तीन करोड़ घरों का लक्ष्य हासिल करने के करीब है और अगले पांच साल में दो करोड़ घरों का निर्माण किया जाएगा। सीतारमण ने कहा कि सरकार पात्र मध्यम वर्ग को अपना घर खरीदने या बनाने के लिए एक आवासीय योजना शुरू करेगी।

✻ वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में अंतरिम बजट पेश करते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में राजकोषीय घाटा चालू वित्त वर्ष के 5।8 प्रतिशत के मुकाबले सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी का 5।1 प्रतिशत रहने का अनुमान है। वित्त मंत्री ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कर प्राप्तियां 26102 लाख करोड रुपये का अनुमान है।

✻ वित्त मंत्री ने देश में दूध व दुग्ध डेयरी उत्पादन बढाने की योजना की घोषणा की। वित्त मंत्री ने कहा कि भारत दुनिया में सबसे बडा दूध उत्पादक है। लेकिन उत्पादकता कम है। भारत का दूध उत्पादन 2022-23 में चार प्रतिशत बढ़कर 23105 करोड टन हो गया।

✻ पीएम किसान योजना के तहत 1118 करोड किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि पीएम-किसान दुनिया की सबसे बडी प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण डीबीटी योजनाओं में से है। पीएम-किसान योजना के तहत सरकार तीन समान मासिक किस्तों में प्रति वर्ष 6000 रुपये का वित्तीय लाभ प्रदान करती है। यह पैसा देशभर के किसान परिवारों के बैंक खातों में डीबीटी के जरिये डाला जाता है।

✻ वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दुनिया के विभिन्न हिस्सों में युद्ध व संघर्षों के कारण वैश्विक स्थिति अधिक जटिल और चुनौतीपूर्ण होती जा रही है। रूस-यूक्रेन संघर्ष व इजराइल-हमास युद्ध ने वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को बाधित कर दिया है। जिससे व्यापार प्रभावित हुआ है। वित्त मंत्री ने कहा कि नई वैश्विक व्यवस्था उभर रही है। भारत ने ईंधन व उर्वरक की कीमतों में बढ़ोतरी की वैश्विक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है।

मप्र को अधोसंरचना विकास कार्यो में मिलेगा लाभ-उप मुख्यमंत्री

सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास के दर्शन की झलक

मंदसौर, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा ने केन्द्रीय बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते कहा है कि सर्वगामी-सर्वस्पर्शी-सर्वसमावेशी बजट से सभी नागरिकों के जीवन में गुणवत्तापूर्ण बदलाव होगा। मध्यप्रदेश को अधोसंरचना विकास कार्यों में लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास एवं सबका प्रयास के विकास दर्शन की स्पष्ट झलक इस बजट में मिलती है।

उप मुख्यमंत्री श्री देवडा ने कहा कि मध्यप्रदेश के लिये केन्द्रीय करों के हिस्से में वर्ष 2023-24 के पुनरीक्षित अनुमान में बजट अनुमान से राशि रुपये 6,519 करोड ज्यादा एवं वर्ष 2024-25 में राशि रुपये 95,753 करोड का अनुमान है। प्रदेश के लिये उत्साहजनक संकेत है। उन्होंने कहा कि बजट के माध्यम से फोकस्ड समावेशी विकास पर है। पीएम गतिशक्ति योजना के रेलवे कॉरीडोर, ऊर्जा, खनिज, सीमेंट, पोर्ट, हाईट्रैफिक डेंसिटी बनाने का संकल्प लिया गया है। ऊर्जा, खनिज एवं सीमेंट कॉरीडोर से मध्यप्रदेश को लाभ मिलेगा। इसके अलावा प्रसिद्ध पर्यटन केंद्रों के व्यापक विकास के लिये बजट में जो प्रावधान किये गये हैं उससे मध्यप्रदेश भी लाभान्वित होगा। श्री देवड़ा ने कहा कि 2047 तक भारत को पूर्ण रूप से विकसित देश बन जायेगा। मध्यप्रदेश जैसे तेजी से आगे बढ़ रहे राज्यों का विशेष योगदान होगा। उन्होने कहा कि पीएम जनमन योजना में संवेदनशील जनजातीय समूहों को लाभ मिलेगा। विशेष पूंजीगत सहायता योजना को निरंतर रखने से मध्यप्रदेश को अधोसंरचना विकास कार्यों में लाभ मिलेगा।

केंद्रीय बजट पर किसान नेता गुर्जर की प्रतिक्रिया...

मंदसौर, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। केंद्र सरकार के अंतरिम बजट 2024 पर किसान नेता श्री महेन्द्र सिंह गुर्जर ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि ग्रामीण भारत की मजबूत अर्थव्यवस्था वाले प्रमुख सेक्टरों गाँव, गरीब, किसानो, नोजवानो, महिलाओ के लिए कोई विशेष उपलब्धि भरा बजट नही है। इस बजट में ख़ासकर मध्यम वर्गीय परिवारों के हितों के लिए भी विशेष रूप से ध्यान नही रखा गया है। यह बजट केवल लोकसभा चुनावी जुमला प्रतीत होता है।

मोदी सरकार का बजट विकास की गति को बढ़ाने वाला बजट है-श्रीमती गुर्जर

मंदसौर, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने बताया कि केन्द्रिय वित मंत्री निमर्ला सीतारमन ने मेरी सरकार को अंतरिम बजट पेश किया है वह स्वागत योग्य है। मोदी सरकार ने पिछले इस वर्ष में जो काम किया है। आगामी बजट सेउ न सभी कामो को गति मिलेगी। ग्रामीण क्षेत्रो में 2 करोड नये घर बनाने का जो लक्ष्य रखा गया है। उससे ग्रमीण जीवन बेहतर होगा तथा गरीबो का जीवन स्तर और बेहतर होगा। आयुष्मान कार्ड योजनामें आशा कार्यकर्ताओ को शामिल करने का निर्णय सराहनीय है। पर्यटन को बढावा देने के लिये जो बजट में प्रावधान किया गया है उससे अथव्यवाओ को आरे नयीगति मिलेगी। प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना के अंतर्गत 300 युनिज बिजली दिया देने की योजना से भारत उर्जा क्षैत्र में और आत्मनिर्भर होगा। किसान सम्मान निधी पूर्व की रहत आगामी समय में जारी रखने की घोषणा की गयी है। यह निर्णय भी स्वागत योग्य है। कुल मिलाकर केन्द्र की मोदी सरकार का यह बजट गौरगरवित किसान सभी के यिले लाभदायक रहेगा।

सर्वांगीण, सर्वसमावेशी और सर्वव्यापी विकास वाला बजट-डांगी

मंदसौर, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण संसद में अंतरिम बजट पेश किया। यह बजट मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का अंतिम बजट है। वित्तमंत्री ने इस बार छठा बजट सदन में पेश किया। मोरारजी देसाई के बाद सीतारमण ही दूसरी वित्त मंत्री हैं, जिन्हें छह बार बजट पेश करने का मौका मिला। इस बजट में महिलाओं, युवाओं, किसानों, बुजुर्गों और ग्रामीणों को ध्यान में रखते हुए कई कल्याणकारी योजनाओं का एलान किया गया है। अंतरिम बजट में इनकम टैक्स के स्लैब में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया है. हालांकि, रेलवे से लेकर अन्य सेक्टर में प्रोजेक्ट को लेकर सरकार ने अपना विजन रखा है. स्टार्टअप के लिए टैक्स छूट एक साल के लिए बढ़ा दी गई है. लखपति दीदी योजना को विस्तारित किया जाएगा. राज्यों को ब्याज मुक्त कर्ज योजना जारी रहेगी. 3 नए रेल कॉरिडोर बनाए जाएंगे. इंफ्रास्ट्रक्चर पर 11 फीसदी ज्यादा खर्च किया जाएगा. रक्षा खर्च 11.1% बढ़ाया गया है ब्लू इकोनॉमी 2.0 के तहत नई योजना शुरू की जाएगी।

आमजनता को बजट से फिर हुई निराशा, मोदी सरकार का अंतरिम बजट सिर्फ सजावटी- मनजीतसिंह

मंदसौर, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। बड़ा हुआ तो क्या हुआ जैसे पेड़ खजूर, पंछी को छाया नहीं फल लागे अति दूर। मोदी सरकार के पेश किए गए अंतरिम बजट की स्थिति कुछ ऐसी ही है। हमें आशा थी कि चुनाव से पूर्व के इस बजट में वित्त मंत्री बताएंगी कि प्रधानमंत्री ने जो हर वर्ष 2 करोड़ रोजगार देने का वादा किया था उस हिसाब से 20 करोड़ रोजगार देने का टारगेट कहीं पहुंचा भी या नहीं? उक्त बात कहते बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष मनजीतसिंह टूटेजा ने कहा कि मध्यमवर्ग को आशा थी कि सरकार इनकम टैक्स स्लैब में कोई छूट देगी लेकिन एक बार फिर से अपना जन विरोधी चेहरा सामने लाते हुए मोदी सरकार ने आयकर में कोई छूट नहीं दी। मोदी सरकार ने वादा किया था कि 2022 में किसानों की आमदनी दोगुनी कर दी जाएगी लेकिन आज 2024 के बजट में भी किसानों के पक्ष में एक ढंग की बात भी सरकार नहीं बोल सकी। बजट में युवाओं, महिलाओं, बेरोजगारों, किसानों और जवानों के लिए कुछ भी नहीं है। सरकार ने देश के आर्थिक विकास का कोई खाका पेश नहीं किया है और जो बातें कही हैं, वह 15 और 20 साल दूर की बातें हैं। यह बजट नहीं है, सिर्फ एक झुनझुना है। कुल मिलाकर बजट सिर्फ सजावटी है।

महिला सशक्तीकरण हितैषी है मोदी सरकार-श्रीमती पाटीदार

मंदसौर, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। बजट में लखपति दीदी योजना के तहत 3 करोड़ महिलाओं को लखपति बनाने का टारगेट रखा है। पहले ये टारगेट 2 करोड़ था। इस योजना के तहत अभी तक एक करोड़ महिलाओं को लखपति बनाया जा चुका है। योजना के तहत महिलाओं को आंत्रप्रेन्योरशिप इंडस्ट्री, एजुकेशन या दूसरी जरूरतों के लिए स्मॉल लोन दिए जाते हैं। वही आशा कार्यकर्ताओं को अब आयुष्मान योजना के दायरे में लिया गया है यह बात भी स्वागत योग्य है। कुल मिलाकर मोदी सरकार का अंतरिम बजट महिलाओ के लिए विशेष साबित हुआ है यह बजट महिला सशक्तिकरण में अहम योगदान देगा।

नये आत्मनिर्भर भारत का बजट-पाटीदार

मंदसौर, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मोदी सरकार का अंतरिम बजट पेश कर दिया है। उक्त बजट आमजन, किसान, श्रमिक, सरकारी कर्मचारियों, आशा, उषा आंगनावाडी कार्यकर्ताओं सभी के लिए लाभकारी है। उक्त बात कहते हुए भाजपा पिछडा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश मंत्री धीरज पाटीदार ने कहा कि ये बजट विकसित भारत के युवा, गरीब, महिला और किसानों पर आधारित है। ये देश के निर्माण का बजट है। इसमें 2047 के भारत की नींव को मजबूत करने की गारंटी है। अंतरिम बजट से जो भी इंडिकेशन मिले हैं, उसके कारण हम 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य हासिल कर लेंगे। रूफटॉप सोलर के जरिए एक करोड़ परिवारों को हर महीने 300 यूनिट तक फ्री बिजली मिलेगी इससे आमजनों को राहत मिलेगी। कुल मिलाकर अंतरिम बजट स्वागत योग्य एवं सर्वेजन हितैषी है।

शिक्षक ने नाबालिग छात्रा के चरित्र पर लगाए गंभीर आरोप...

अभाविप ने विरोध कर दिया धरना तो शिक्षक ने मांग ली माफी

पिपलियामंडी, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। बूढ़ा के शासकीय स्कूल में नाबालिग छात्रा के चरित्र पर शिक्षक ने सवाल उठाया तो हंगामा हो गया, परिजनों ने विरोध किया वहीं अभाविप कार्यकर्ता धरने पर बैठ गए। राजस्व व पुलिस अधिकारी भी मौके पहुंचे, बाद में शिक्षक ने माफी मांगी तब मामला शांत हुआ। जानकारी के अनुसार शासकीय उच्चतर विद्यालय बूढ़ा में विदाई समारोह का कार्यक्रम रखा गया था। कार्यक्रम निपटने के बाद एक नाबालिग कपडे बदलने प्राचार्य की अनुमति से पास ही बने कमरे में गई, कपडे बदलकर कर बालिका बाहर निकल रही थी कि शिक्षक सुनील पाटीदार ने बालिका को विद्यालय के छात्र छात्राओं के सामने कहा कि तू कमरे में किसी ओर लड़के के साथ थी। शिक्षक ने बालिका के चरित्र पर सवाल उठाया और बालिका को बदनाम करने की कोशिश की। जब बालिका ने उनसे बोला कि आपके पास क्या सबूत है ? मुझे क्यों बदनाम कर रहे हो। तो शिक्षक ने बालिका को धमकाया ओर सब छात्र छात्राओं ओर विद्यालय के स्टाप के सामने उसके चरित्र पर सवाल उठाए। बालिका ने रोते हुए उक्त घटना घर जाकर परिजनों को बताई। जब परिजन स्कूल आए और प्राचार्य भारतसिंह चन्द्रावत से बात की तो प्राचार्य ने परिजनों को भी धमकाया। सूचना मिलते ही अभाविप कार्यकर्ता व कुछ गणमान्य नागरिक भी एकत्रित हो गए। स्कूल प्रबंधन की करतूत के खिलाफ धरने पर बैठ गए। सूचना पर नायब तहसीलदार अभिषेक चौरसिया, चोकी प्रभारी भीमसिंह राठौर भी स्कूल पहुंचे व घटना की जानकारी ली। बाद में शिक्षक ने शिक्षक ने सबके सामने माफी मांगी। अधिकारियों ने शिक्षक को नोटिस भेजकर सफाई मांगी है।

देश के आत्मविश्वास को बढ़ाने वाला बजट-शर्मा

मंदसौर, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमन द्वारा प्रस्तुत अंतरिम बजट को ऐतिहासिक बताते हुए जनपद पंचायत मंदसौर के अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा ने इसे देश के आत्मविश्वास को बढ़ाने वाला बजट बताया है। श्री शर्मा ने कहा कि बजट विकसित भारत के चार स्तंभ- युवा, गरीब, महिला और किसान, सभी को सशक्त करेगा। यह देश के भविष्य के निर्माण का बजट है। इस बजट में 2047 के विकसित भारत की नींव को मजबूत करने की गारंटी है।

विकसित भारत के संकल्प एवं अच्छी नियत और मजबूत निति वाला बजट-शुक्ला

मंदसौर, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। यह दूरदर्शी बजट है। देश मे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ सबका विकास और सबके विश्वास के साथ देश को विकसित और आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प का बजट है। उक्त बात भाजपा के जिला उपाध्यक्ष हीतेश शुक्ला ने बजटपर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जी के भारत को दुनिया की तिसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बनाने के संकल्पना वाला बजट है। युवाओं के कौशल विकास, देश मे 3 करोड़ लखपति दीदियां बनाने और किसानों ,गरीब केंद्रित कर बजट के सभी वर्गों के सम्पूर्ण विकास की इच्छा वाला बजट है। सभी के घर के पक्के मकान हो हर हाथ मे काम हो ग्राम में आत्मनिर्भरता आये। प्रतिभा पलायन रोकने वाला बजट है। केंद्र सरकार ने पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु राज्यों को ब्याज मुक्त ऋण 75000 करोड़ की घोषणा की हैं।

मप्र में 50 लाख से अधिक किशोरियों को लगेगा सर्वाइकल कैंसर से बचाव का टीका

भोपाल, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। केंद्र सरकार के अंतरिम बजट में नौ से 14 वर्ष तक की किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए टीका लगाने की बात कही गई है। प्रदेश में 50 लाख से अधिक किशोरियां इस उम्र वर्ग में हैं, जिन्हें टीकाकरण से लाभ मिलेगा। केंद्र सरकार ने वर्ष 2020-21 में यह टीका लगाने की तैयारी सभी राज्यों में की थी, पर कोरोना का संक्रमण फैलने के बाद इसे रोक दिया गया था। अब केंद्र सरकार वर्ष 2023 से यह टीका लाने की तैयारी कर रही थी। बजट में घोषणा के बाद इसमें तेजी आएगी। बता दें कि महिलाओं में स्तन कैंसर के बाद सबसे ज्यादा रोगी सर्वाइकल (बच्चेदानी) कैंसर से पीड़ित मिल रहे हैं।

2020 में जारी रिपोर्ट के अनुसार भोपाल में प्रति लाख आबादी पर 12.8 रोगी–आइसीएमआर के नेशनल सेंटर फार डिसीज इंफारमेटिक्स एंड रिसर्च (एनसीडीआइआर) की कैंसर को लेकर 2020 में जारी आखिरी रिपोर्ट के अनुसार भोपाल में प्रति लाख आबादी पर सर्वाइकल कैंसर के 12.8 रोगी मिले थे। पूरे प्रदेश की लगभग यही स्थिति है। सर्वाइकल कैंसर के लिए 99 प्रतिशत तक ह्यूमन पिपलोमा वायरस (एचपीवी) जिम्मेदार है। पुरुष भी इस वायरस से संक्रमित हो सकते हैं। इसका संक्रमण शारीरिक संबंध के माध्यम से फैलता है। इस कारण किशोरियों को टीका लगाने से अधिक लाभ मिलता है। सामान्य आबादी में हर समय लगभग छह प्रतिशत महिलाएं इस बीमारी से संक्रमित मिलती हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की प्रदेश इकाई को वर्ष 2023 में एक गैर सरकारी संगठन द्वारा इस टीका की आठ हजार डोज निश्शुल्क मिल रही थी, पर भारत सरकार की ओर से इसे राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल किए जाने की सुगबुगाहट की वजह से नहीं लगाया गया।

मृतक की हुई शिनाख्त, ट्रक ड्राइवर पर गैर इरादतन हत्या का प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। दुर्घटना में हुई युवक की दर्दनाक मौत के मामले में मृतक की शिनाख्त हो गई, पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या केस दर्ज किया। जानकारी के अनुसार बुधवार को प्रात: बरखेड़ापंथ में ट्रक (एमपी 14 एच बी 0246) ने बाइक (एमपी 44 बी 7257) को टक्कर मार दी और करीब 25 फिट तक घीसटता ले गया। युवक की शिनाख्त नही हो पा रही है। बाइक हासपुर (नीमच) निवासी भेरुलाल पिता केशुराम खारोल के नाम से रजिस्टर्ड है। मल्हारगढ़ टीआई राजेन्द्र पंवार ने बताया देर शाम युवक की शिनाख्त रातड़िया जिला नीमच निवासी अनिल (26) पिता देवीलाल बावरी के रुप में हुई। परिजनों को सूचित कर शिनाख्तगी कराई। अनिल के भाई दिनेश ने बताया कि वह मां मोहनबाई को लेने बरखेड़ापंथ आया था। रोड़ क्रास करने के दौरान ट्रक ने टक्कर मार दी। पुलिस ने दिनेश की रिपोर्ट पर ट्रक ड्राइवर के खिलाफ धारा 304 ए में गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया।

विकसित भारत की संकल्पना को अधोरेखित करने वाला बजट-चंदवानी

मंदसौर, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। केंद्रीय वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन द्वारा पेश किया गया अंतरिम बजट विकसित भारत की संकल्पना को अधोरेखित करने वाला बजट है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं वित्तमंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन का इस बजट हेतु आभार प्रकट करता हूँ। यह बात शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री नरेश चंदवानी ने कही। अंतरिम बजट पर अपनी प्रतिक्रिया में श्री चंदवानी ने कहा कि बजट में विशेषत: महिला, किसान, ग़रीब, युवा और मध्यमवर्गीय ऐसे सभी घटकों की ओर विशेष ध्यान दिया गया है। 1 करोड़ परिवारों को सोलर सिस्टम देकर 300 यूनिट तक की वीज मुफ़्त देने की संकल्पना की गई है। गरीब, चॉल और झोपड़पट्टी में रहने वाले मध्यमवर्गीयों के लिए अपना घर लेने के लिए योजना तैयार की जाएगी। युवाओं के लिए रु1 लाख करोड़ व्याजमुक्त निधि तैयार करने का निर्णय अतिशय क्रांतिकारी है।

रेलवे फाटक पर अण्डरब्रिज बनाने की मांग, माछोपुरिया ने लिखा पत्र

पिपलियामंडी, 1 फरवरी गुरु एक्सप्रेस। पिपलिया रेलवे फाटक 141 पर अण्डरब्रिज बनाने की मांग को लेकर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष मानसिंह माछोपुरिया ने रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव, सांसद सुधीर गुप्ता व मण्डल रेल प्रबंधक रतलाम को पत्र लिखा। माछोपुरिया ने बताया कि रतलाम-चित्तोड़गढ़ रेलखंड के पिपलिया स्टेशन पर स्थित क्रमांक 141 पर अण्डरब्रिज निमार्ण अति आवश्यक है। रेल लाइन के दूसरी ओर 4 वार्ड की जनता निवासरत है। जिन्हें अतिरिक्त चक्कर लगाकर ओवरब्रिज होकर जाना पड़ता है। शीघ्र जनहित में अण्डरब्रिज की स्वीकृति की जाए।

आज से सायबर तहसील...

पेज 1 से जारी

प्रदेश के सभी जिलों में लागू होने के बाद भोपाल स्थित राजस्व आयुक्त कार्यालय में भी बदलाव हो जाएगा। यहां स्थापित सायबर तहसील में 15 तहसीलदारों, नायब तहसीलदारों की जरूरत पड़ेगी। पहली बार 7 तहसीलदारों को संलग्न कर सायबर तहसील व्यवस्था शुरू की गई है। शुरुआत में 12 जिलों में इसे लागू किया गया था। प्रदेश में इस नई व्यवस्था के लिए राजस्व विभाग ने मध्यप्रदेश भू राजस्व संहिता, 1959 में संशोधन कर धारा 13 क में सायबर तहसील स्थापना के प्रावधान किए हैं।

आमजन को यह होगा फायदा–इस व्यवस्था से किसी भी जिले में बिना आवेदन दिए रजिस्ट्री होते ही 15 दिन में नामांतरण हो जाएगा। खसरा-नक्शा में भी तत्काल सुधार हो जाया करेगा। अविवादित नामांतरण और बंटवारे के प्रकरणों में भी यह योजना लागू होगी। इससे आनलाइन, पेपरलेस और फेसलेस प्रक्रिया से नामांतरण होने से सुशासन आएगा।

कार्यालय नगर परिषद पिपलियामंडी, जिला-मंदसौर (म.प्र.)

क्रमांक-114/2024 पिपलियामंडी, दिनांक-29.01.2024

✻ कोटेशन आमंत्रण सूचना ✻

सर्वसाधारण फर्म/दुकानदार/संबंधित कार्य करने वाले व्यक्ति आदि को सूचित किया जाता है कि वर्ष 2024-25 में निकाय की स्वच्छता शाखा में समय-समय पर आवश्यक कार्य करने होते है जिसका विवरण निम्नानुसार हैं-

क्रं.	कार्य का विवरण	अमानत राशि	रिमार्क
1	वर्ष 2024-25 में निकाय के लोहे संबंधी आवश्यक समस्त कार्य (नाली पर लोहे की चैनल/जाली/बोर्ड आदि)	1000/-	दरें प्रति किलो के मान से मजदूरी सहित दी जावें।

अतः इस हेतु इच्छुक फर्म/दुकानदार/संबंधित कार्य करने वाले व्यक्ति आदि कार्यालय में अपने-अपने दरें सीलबंद लिफाफे में दिनांक 19.02.2024 को समय दोपहर 3.00 बजे तक इस कार्यालय में आमंत्रित की जाती है। समयावधि पश्चात प्राप्त दरें मान्य नहीं की जावेगी। सो सूचित हो।

शर्ते निम्नानुसार है - (1) दरें समस्त टेक्स सहित दी जावें। (2) स्वीकृत दरें दिनांक 31.03.2025 तक प्रभावशील होकर आगामी आदेश तक लागू रहेगी। (3) भावपत्र में कोई भी शर्त मान्य नहीं की जावेगी। (4) विस्तृत जानकारी नगर परिषद कार्यालय में कार्य दिवस के समय देखी व समझी जा सकती है।

प्रमोद जैन
मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर परिषद पिपलियामंडी

भारतसिंह सोनगरा
उपाध्यक्ष
नगर परिषद पिपलियामंडी

श्रीमती इंदिरा-सुनील देवदिया
अध्यक्ष
नगर परिषद पिपलियामंडी

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in